दैनिक
# सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 8/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, सोमवार 22 जुलाई 2024 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

# संसद दल नहीं, देश के लिए है: मोदी

## बजट 2047 में विकसित भारत के सपने को पूरा करने की नींव रखेगा

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने तीसरे कार्यकाल में पहला बजट पेश करने से पहले सोमवार (22 जुलाई) को मीडिया को संबोधित किया। मोदी ने बजट सत्र के दौरान सरकार के एजेंडे पर बात की। उन्होंने कहा कि यह बजट अगले पांच साल की दिशा तय करेगा और 2047 में विकसित भारत के सपने को पूरा करने की नींव रखेगा।

मोदी ने जून में सरकार बनने के बाद लोकसभा के पहले सत्र में विपक्ष के हंगामे की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि संसद दल के लिए नहीं, बल्कि देश के लिए है। 140 करोड़ देशवासियों ने बहुमत के साथ जिस सरकार को चुना, पहले सत्र में उसकी आवाज को कुचलने का अलोकतांत्रिक प्रयास हुआ। प्रधानमंत्री ने कहा- विपक्ष ने अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए संसद के समय का इस्तेमाल किया। देश के प्रधानमंत्री का गला घोंटने का प्रयास किया। ढाई घंटे मेरी आवाज दबाने की कोशिश की। लोकतांत्रिक परंपराओं में ऐसे आचरण का कोई स्थान नहीं हो सकता। इसका कोई पश्चाताप तक नहीं है। संसद की कार्यवाही शुरू होने से पहले पीएम मोदी ने कहा, 'आज सावन का

पहला सोमवार है। इस पवित्र दिवस पर एक महत्वपूर्ण सत्र का प्रारंभ हो रहा है। सावन के पहले सोमवार पर मैं देशवासियों को बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं।' 'आज संसद का मॉनसून सत्र भी आरंभ हो रहा है। देश बहुत बारीकी से देख रहा है कि संसद का ये सत्र सकारात्मक हो, सृजनात्मक हो और देशवासियों के सपनों को सिद्ध करने के लिए एक मजबूत नींव रखने वाला हो।' 'अब वो दौर समाप्त हुआ, देश ने अपना निर्णय दे दिया है, अब चुने हुए सभी सांसदों का कर्तव्य है, सभी राजनीतिक दलों की विशेष जिम्मेदारी है कि आने वाले पांच वर्षों के लिए हमें देश के लिए लड़ना है, देश के लिए जूझना है और एक और नेक बनकर जूझना है।'

### संसद में नीट पर हंगामा, राहुल बोले-
## देश का एग्जामिनेशन सिस्टम फ्रॉड, शिक्षा मंत्री ने कहा- चिल्लाने से झूठ सच नहीं हो जाता

**नई दिल्ली।** मानसून सत्र आज से शुरू हो गया। लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान नीट में हुई गड़बड़ी पर बोल रहे थे। इस दौरान विपक्ष ने हंगामा किया और उनके इस्तीफे की मांग की। शिक्षा मंत्री बोले- मामला सुप्रीम कोर्ट में है और कोर्ट का जो भी निर्देश होगा हम उसे मानेंगे। कोर्ट ने सभी छात्रों के सिटी और सेंटर वाइज रिजल्ट जारी करने को कहा था, जो पब्लिक डोमेन में है। हंगामे के चलते लोकसभा ढाई बजे तक स्थगित कर दी गई।

राहुल गांधी ने कहा- देश को दिख रहा है कि परीक्षा सिस्टम में बहुत सी कमी है। शिक्षा मंत्री ने सबकी कमी गिना दी, लेकिन अपनी नहीं गिनाई। हमारा एग्जाम सिस्टम फ्रॉड है। इस पर शिक्षा मंत्री ने कहा- सिर्फ चिल्लाने से झूठ सच नहीं हो जाता। विपक्ष के नेता का यह कहना कि देश की परीक्षा प्रणाली बकवास है, बेहद निंदनीय है। प्रधान ने कहा- 2010 में मनमोहन सिंह सरकार में कपिल सिब्बल शिक्षा सुधार के लिए 3 बिल लाए। उनमें से एक अनियमितता रोकने के लिए था। उसे किसके दबाव में वापस लिया गया। क्या यह निजी मेडिकल कॉलेजों के दबाव के कारण था? और वे (राहुल गांधी) हमसे सवाल पूछ रहे हैं। अखिलेश यादव ने कहा, 'यह सरकार पेपर लीक का रिकॉर्ड बनाएगी। कुछ केंद्र ऐसे हैं, जहां 2,000 से अधिक छात्र उत्तीर्ण हुए हैं। जब तक यह मंत्री (शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान) हैं, छात्रों को न्याय नहीं मिलेगा।

### आर्थिक सर्वे पेश
### वित्तीय वर्ष 2024-25
## जीडीपी 6.5-7 प्रतिशत रहेगी

**नई दिल्ली।** वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्ती य वर्ष 2023-24 का आर्थिक सर्वे सोमवार को सदन में पेश किया। इस आर्थिक सर्वे में सरकार ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान देश की वास्तविक जीडीपी या वृद्धि दर 6.5-7 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। आर्थिक समीक्षा में कहा गया है कि पूंजीगत व्यय पर सरकार के जोर और निजी निवेश में निरंतर गति से पूंजी निर्माण वृद्धि को बढ़ावा मिला है। सकल स्थायी पूंजी निर्माण में 2023-24 में वास्तविक रूप से 9 प्रतिशत की वृद्धि हुई। आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार देश का राजकोषीय घाटा (जीडीपी के प्रतिशत के रूप में) पिछले वर्ष की तुलना में 2023 में 1.6 प्रतिशत अंक बढ़ा।

से बाहर आने वाले लगभग दो में से एक युवा अब भी आसानी से रोजगार के योग्य नहीं है। हालांकि, यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि पिछले दशक में स्किल्ड युवाओं का प्रतिशत लगभग 34 प्रतिशत से बढ़कर 51.3 प्रतिशत हो गया है। कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) ने बताया कि भारत में शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण की स्थिति पर एनएसएसओ, 2011-12 (68वें दौर) की रिपोर्ट के अनुसार, 15-59 वर्ष की आयु के व्यक्तियों में लगभग 2.2 प्रतिशत ने औपचारिक व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त किया है। वहीं, 8.6 प्रतिशत ने गैर-औपचारिक व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

आर्थिक सर्वेक्षण में सरकार ने कहा है कि सेवा क्षेत्र एक प्रमुख रोजगार प्रदाता बना हुआ है वहीं निर्माण क्षेत्र भी हाल ही में प्रमुखता से बढ़ रहा है, जो बुनियादी ढांचे के लिए सरकार की ओर की गई पहल नतीजा है। सर्वे के अनुसार खराब ऋणों की विरासत के कारण पिछले एक दशक में विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार सृजन कम हुआ पर 2021-22 की तुलना में इसमें सुधार हुआ है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 23 जुलाई को बहुप्रतीक्षित केंद्रीय बजट 2024-25 के अनावरण से ठीक पहले सोमवार को आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया।

कॉलेज पासआउट दो से में एक युवा के पास रोजगार के लिए जरूरी योग्यता नहीं

आर्थिक सर्वे के अनुसार भारत की तेजी से बढ़ती जनसंख्या का 65 प्रतिशत 35 वर्ष से कम उम्र का है, लेकिन उमें से कई लोगों के पास आधुनिक अर्थव्यवस्था के लिए आवश्यक कौशल का अभाव है। अनुमान बताते हैं कि लगभग 51.25 प्रतिशत युवा रोजगार के योग्य माने जाते हैं। दूसरे शब्दों में इसका मतलब है कि सीधे कॉलेज

**वार्षिक रिपोर्ट में देश में कौशल और उद्यमिता परिदृश्य में चुनौतियों का जिक्र किया गया है, ये चुनौतियां हैं-**

- सार्वजनिक धारणा है कि कौशल को अंतिम विकल्प के रूप में देखा जाता है, इसे उन लोगों के लिए जरूरी माना जाता है प्रगति नहीं कर पाए हैं या औपचारिक शैक्षणिक प्रणाली से बाहर निकल गए हैं।
- केंद्र सरकार के कौशल विकास कार्यक्रम अभिसरण 20 से अधिक मंत्रालयों/विभागों में फैले हुए हैं। पर वहां मजबूत समन्वय और निगरानी तंत्र का अभाव है
- मूल्यांकन और प्रमाणन प्रणालियों में बहुलता जिसके कारण असंगत परिणाम मिलते हैं नियोक्ताओं के बीच भ्रम पैदा करता है।
- प्रशिक्षकों की कमी है, उद्योग पेशेवरों को आकर्षित करने में असमर्थत हैं।
- क्षेत्रीय और स्थानिक स्तरों पर मांग और आपूर्ति के बीच मेल नहीं है।

## सावन का पहला सोमवार.. शिव मंदिरों में उमड़े श्रद्धालु

**भोपाल।** आज सावन का पहला सोमवार है, और खास बात यह है कि इस पवित्र माह की शुरुआत भी सोमवार से हुई है। महाकाल मंदिर में श्रद्धालुओं की लंबी-लंबी कतारें लगी हुई हैं। मंदिर प्रशासन का दावा है कि कतार में लगे भक्त को गर्भगृह तक आने और यहां से आगे जाने में 1 घंटे से कम समय लग रहा है। भगवान महाकाल की भस्म आरती के लिए रविवार रात 2.30 बजे ही महाकाल मंदिर के पट खोल दिए गए। भस्म आरती में 17 हजार भक्तों ने भस्म आरती में दर्शन किए हैं। वहीं, भोजपुर मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालु पहुंचना शुरू हो गए थे। ओंकारेश्वर में विशेष पूजा-अर्चना का दौर जारी है। सीहोर के कुबेरेश्वर धाम में शिव अभिषेक चल रहा है। मंदसौर में भगवान पशुपतिनाथ का विशेष श्रृंगार किया गया। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव, पर्यावरण, नगरीय विकास एवं आवास विभाग इसके सदस्य होंगे। पर्यटन विभाग के प्रमुख सचिव इसके सदस्य सचिव होंगे। ये सभी इको सेंसटिव जोन्स के जोनल मास्टर प्लान का परीक्षण करेंगे। समिति के सदस्य सचिव अन्य संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर प्रति सप्ताह कार्य में हो रही प्रगति की स्थिति से भी अवगत कराएंगे।

## कांवड़ रूट में दुकानदारों के नेमप्लेट लगाने पर रोक

### सुप्रीम कोर्ट ने कहा- दुकानदारों को पहचान बताने की जरूरत नहीं

**नई दिल्ली।** उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा रूट पर दुकानदारों को अपनी पहचान बताने के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम रोक लगा दी है। कोर्ट ने सोमवार को इस मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि दुकानदारों को पहचान बताने की जरूरत नहीं है। कोर्ट ने उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और उत्तराखंड सरकार को नोटिस जारी कर शुक्रवार तक जवाब देने को कहा है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने कांवड़ यात्रा के रूट पर दुकान मालिकों के नाम लिखने का आदेश दिया है। इसके खिलाफ एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स नाम के एनजीओ ने 20 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। याचिकाकर्ता के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि अल्पसंख्यकों की पहचान के जरिए उनका आर्थिक बहिष्कार किया जा रहा है। यह चिंताजनक है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पुलिस ने इस मामले में अपनी ताकत का गलत इस्तेमाल किया है। उसे ऐसा नहीं करना चाहिए था।

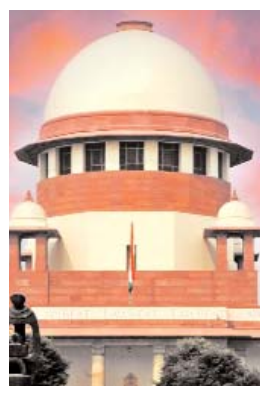

## सरकार ने माना- 3300 नीट कैंडिडेट्स को गलत पेपर मिला

### सीजेआई बोले- शक है कि पेपर स्ट्रॉन्ग रूम से पहले लीक हुआ, ट्रांसपोर्टेशन के दौरान नहीं

**नई दिल्ली।** नीअ विवाद पर आज सुप्रीम कोर्ट में 40 से ज्यादा याचिकाओं पर सुनवाई सीजेआई चंद्रचूड़ की बेंच के सामने जारी है। ये चौथी सुनवाई है। आज रीएग्जाम पर फैसला आ सकता है। सुनवाई के दौरान एनटीए ने माना कि 3300 से ज्यादा स्टूडेंट्स को गलत पेपर दिया गया था। इन्हें एसबीआई की जगह केनरा बैंक का पेपर बांटा गया था।

सीजेआई ने कहा- हमारे पास अभी तक यह बताने के लिए कोई सबूत नहीं है कि पेपर लीक कितना व्यापक था और पूरे देश में फैला हुआ था। आरोपियों के बयान अलग-अलग हैं। अगर पेपर लीक (4 मई) की रात को हुआ है, तो जाहिर है कि लीक ट्रांसपोर्टेशन के दौरान नहीं, बल्कि स्ट्रॉन्ग रूम वॉल्ट से पहले हुआ था। सीनियर एडवोकेट नरेंद्र हुड्डा के साथ संजय हेगड़े, मैथ्यूज नेदुम्परा याचिकाकताओं की ओर से, जबकि सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता एनटीए और केन्द्र की ओर से पक्ष रख रहे हैं।

### सांध्यप्रकाश विशेष
## विभाग छिनने से मंत्री नागर नाराज, इस्तीफे की बात कही

**भोपाल।** विभाग छिनने से नाराज मंत्री नागर सिंह चौहान ने इस्तीफा देने की बात कही। उन्होंने सोमवार को मीडिया से कहा, मैं इस्तीफा दे दूंगा, क्योंकि मंत्री रहते हुए आदिवासी हितों की रक्षा नहीं कर पा रहा हूं। मंत्री पद की शपथ लेने के 13 दिन रविवार को रामनिवास रावत को वन एवं पर्यावरण विभाग सौंपा गया। इस विभाग का जिम्मा मंत्री नागर सिंह चौहान के पास था। अब उनके पास अनुसूचित जाति कल्याण विभाग ही रह गया है। बताया जा रहा है कि नागर सिंह इस बात से नाराज हैं। लोकसभा चुनाव 2024 में नागर की पत्नी अनीता सिंह चौहान रतलाम-झाबुआ संसदीय क्षेत्र से सांसद चुनी गई हैं। सोमवार को नागर सिंह ने मीडिया से बातचीत में कहा- अलीराजपुर, झाबुआ, रतलाम, बड़वानी, धार, खरगोन के आदिवासी भाइयों ने मुझ पर बहुत भरोसा जताया है कि मैं उनके लिए विकास करूंगा, लेकिन सरकार द्वारा मेरे मुख्य पद ले लेने के बाद मैं विकास नहीं कर पाऊंगा। उनकी उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाऊंगा।

## इंदौर नगर निगम संपत्तिकर के साथ जलकर, कचरा शुल्क बढ़ाने की तैयारी में

### विधायक मेंदोला, मालिनी सहित सभी विधायक नाराज

**इंदौर।** सफाई में लगातार सात बार नंबर वन इंदौर नगर निगम इन दिनों घोटालों को लेकर चर्चित है, लेकिन अब इन घोटालों की राशि गबनवीरों से वसूलने की जगह आमजन पर टैक्स बढ़ाने की तैयारी हो रही है। पहले ही रेटजोन में कॉलोनियां बदलकर संपत्ति कर को बढ़ा दिया गया है और अब जलकर व कचरा शुल्क बढाने की तैयारी हो रही है, लेकिन महापौर पुष्यमित्र भार्गव के इस रूख का बीजेपी की कोर कमेटी में ही जमकर विरोध हो गया।

बीजेपी कोर कमेटी की बैठक में महापौर के साथ ही मंत्री तुलसी सिलावट, विधायक गोलू शुक्ला, मधु वर्मा, मनोज पटेल, नगराध्यक्ष गौरव रणदिवे व अन्य जनप्रतिनिधि थे। फोन पर विधायक रमेश मेंदोला और मालिनी गौड़ से राय ली गई। जब महापौर ने बताया कि जलकर को जोन वार करके 200 से 300 व 400 रुपए किया जाएगा। इस पर विधायक भड़क गए।

### आत्मनिर्भर पंचायत समृद्ध मध्य प्रदेश का आयोजन कल से
## चिंतन एवं सुझाव के लिए गठित समूह चर्चा कर अपने सुझाव देंगे: प्रहलाद

**भोपाल।** प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा आत्मनिर्भर पंचायत समृद्ध मध्य प्रदेश विषय पर कान्फ्रेंस का आयोजन भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में किया जा रहा है। कल मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव इसका शुभारंभ करेंगे। कान्फ्रेंस तीन दिन चलेगी, समापन 25 जुलाई को होगा। यह जानकारी पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने संवाददाता सम्मेलन के दौरान दी।

श्री पटेल ने बताया कि कॉन्फ्रेंस के प्रथम दिन चिंतन एवं सुझाव हेतु गठित समूह उपयोगी चर्चा कर अपने सुझाव देंगे जो कि ग्रामीण विकास संबंधी नीति निर्धारित करने में उपयोगी सिद्ध होंगे। द्वितीय दिवस सभी जनपद पंचायत के माननीय अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष कॉन्फ्रेंस में भाग लेंगे जिन्हें विभाग की प्रमुख योजनाओं पर माननीय मंत्री गणों एवं विभागीय अधिकारियों द्वारा प्रस्तुतिकरण दिया जाएगा तथा विभागीय योजनाओं पर संवाद भी होगा।

तीसरे दिन जिला पंचायत के सभी सदस्य गणों को आमंत्रित किया गया है। जिनसे ग्रामीण विकास की योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। समापन उपमुख्यमंत्री द्वारा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह कॉन्फ्रेंस इसलिए उल्लेखनीय है कि इसमें आत्मनिर्भर पंचायत विषय पर पहली बार इतने विस्तार से चर्चा की जाएगी। तीन दिनों तक सतत रूप से चलने वाली इस महत्वपूर्ण कॉन्फ्रेंस में त्रिस्तरीय पंचायत राज व्यवस्था के प्रतिनिधि भाग लेंगे और धरातल से जुड़े उनके अनुभव भी शेयर करेंगे। इस कांफ्रेंस के आयोजन में भारत और जर्मन सरकार के बीच सहयोग को मूर्तरूप देने वाली संस्था जर्मन एजेंसी फॉर इंटरनेशनल कोऑपरेशन का भी सहयोग प्राप्त हो रहा है। संस्था ने मध्य प्रदेश में जो काम सफलतापूर्वक किया है, उनको भी साझा करेगी।

## पुरी के जगन्नाथ मंदिर के खजाने में 7 घंटे बिताने वाली टीम ने क्या अजूबा देखा...?

**पुरी।** जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार वाले चैंबर में एक गुप्त सुरंग और कक्ष है, जिसमें कीमती आभूषण मौजूद हैं। रत्न भंडार के अंदरूनी कक्ष में सीक्रेट सुरंग या सीक्रेट रूम के होने की संभावना के बारे में पुरी के गजपति महाराजा दिव्य सिंह देब ने का कहना है कि एएसआई जांच के लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल कर सकता है। बताया जा रहा है कि मंदिर प्रशासन रत्न भंडार की पूरी जांच के बाद मरम्मत के लिए रत्न भंडार के बाहरी और भीतरी दोनों कक्ष एएसआई को सौंपेगा। रत्न भंडार के अंदर चैंबर में सुरंग को लेकर सस्पेंस से बहुत जल्द पर्दा हट सकता है। 12वीं सदी के जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार का लेजर स्कैन होगा। इसके लिए एएसआई यानी भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण पूरी तरह से तैयार है।

इस बारे में स्थानीय लोगों का मानना है कि मंदिर के खजाने के अंदरूनी कक्ष में एक सीक्रेट सुरंग है। इसे लेकर देब ने कहा कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) चैंबर की हालत का पता लगाने के लिए लेजर स्कैनिंग जैसे आधुनिक उपकरणों का इस्तेमाल कर सकता है।

### टीम को क्या-क्या दिखा

कमेटी के मेंबर और सेवादार दुर्गादास महापात्रा ने बताया कि हमें भगवान के खजाने के अंदर कोई गुप्त कक्ष या सुरंग नहीं दिखाई दी। रत्न भंडार लगभग 20 फीट ऊंचा और 14 फीट लंबा है। उन्होंने निरीक्षण के दौरान कुछ छोटी-मोटी कमियां भी देखी। छत से कई छोटे-छोटे पत्थर गिरे थे और रत्न भंडार की दीवार में दरार थी। अच्छी बात यह रही कि आशंका के विपरीत फर्श गीला नहीं था। लेकिन, सुरंग का रहस्य अभी बना हुआ है जिसका राज खुलना बाकी है।

इस तरह की तकनीक से किये गए सर्वे से सुरंगों जैसी किसी भी मौजूदा संरचना के बारे में जानकारी मिल सकती है।

निगरानी समिति के चीफ और उड़ीसा हाईकोर्ट के पूर्व जज जस्टिस बिस्वनाथ रथ का कुछ और ही कहना है। दस अन्य सदस्यों के साथ रत्न भंडार के अंदरूनी कक्ष में 7 घंटे से अधिक समय बिताने वाले जस्टिस बिस्वनाथ रथ ने कुछ और ही रिपोर्ट दी। उनका कहना है कि रत्न भंडार में कोई सीक्रेट सुरंग नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि हमारे निरीक्षण में हमें सुरंग जैसी किसी भी संरचना का कोई प्रमाण नहीं मिला। उन्होंने मीडिया और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स से इस विषय पर गलत जानकारी न फैलाने का आग्रह भी किया।

# धम्म चक्क प्रवर्तन दिवस बुद्ध विहार राहुल नगर में हुआ कार्यक्रम

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

धम्म चक्र प्रवर्तन दिवस का शुभारंभ समाज के वरिष्ठ कार्यकर्ता मधुकर खातरकर ,काशीराम पाटिल और यशवंत शेषकर द्वारा तथागत सम्यक समबुद्ध, डॉक्टर बाबासाहेब अंबेडकर के प्रतिमा के ऊपर पुष्प अर्पित तथा मोमबत्ती प्रज्वलित कर किया गया। इसके उपरांत उपस्थित समस्त उपासक उपासिकाओं द्वारा तीन रत्नों की वंदना की गई ,त्रिशरण और पंचशील गृहण किए, बुद्ध वंदना, धम्म वंदना और संघ वंदना का संगायन किया गया। अंत में मानवमात्र के कल्याण के लिए सामूहिक रूप से मंगल मैत्री की गई।

इस अवसर पर रमन मालवीय महासचिव, यशवंत शेषकर पूर्व अध्यक्ष महार समाज संगठन, चंद्रकला पाटिल अध्यक्ष गौतमी महिला मंडल, वंदना शेषकर उपाध्यक्ष गौतमी महिला मंडल, निर्मला झरबडे, मीरा ताई खातरकर, मीरा ताई शेषकर द्वारा अपने विचार रखे गए तथा धम्म चक्र प्रवर्तन दिवस वर्षावास के महत्व पर प्रकाश डाला। निर्मला झरबडे, मीरा ताई तथा काशीराम पाटिल द्वारा बहुत ही सुंदर भीम तथा बुद्ध गीतों की प्रस्तुति की गई। आदरणीय रमन मालवीय जी द्वारा अपने उद्बोधन में बताया कि आज से ढाई हजार वर्षों से गुरु शिष्य परंपरा के अनुसार बुद्ध की वाणी को शुद्ध रूप में भिक्कु संघ द्वारा सुरक्षित रखा है। उन्होंने बताया की मानव मात्र का कल्याण केवल बुद्ध की शिक्षाओं को अपने आचरण से उतारने से ही हो सकता है। अपने उद्बोधन में श्रीमती चंद्रकला पाटिल द्वारा अपने उद्बोदन में बताया की भगवान बुद्ध के जीवन की तीन महत्वपूर्ण घटनाएं आषाढ़ी पूर्णिमा के दिन घटी थी। सिद्धार्थ गौतम ने अपने माता महामाया के गर्भ में आषाढ़ी पूर्णिमा के दिन ही प्रवेश किया था, सिद्धार्थ गौतम ने गृह त्याग भी आषाढ़ी पूर्णिमा के दिन ही किया था तथा संबोधि ज्ञान प्राप्ति के बाद में तथागत बुद्ध ने अपने पांच परिव्रजको को धम्म देशना देकर धम्म चक्क प्रवर्तन किया था , इसलिए बौद्ध धम्म के मानने वालों के लिए आज का दिन बहुत महत्वपूर्ण है आज के दिन सभी बौद्ध उपासक उपासीकाओं को अपने नजदीकी बुद्ध विहार में जाना चाहिए तथा त्रिशरण , पंचशील गृहण कर भिक्कू संघ को भोजन दान ,अष्ट परिष्कार का दान तथा चीवर दान करना चाहिए। वर्षावास काल में हर बौद्ध उपासक उपासीकाओं को अष्टमी, अमावस्या तथा पूर्णिमा के दिन ऊपोसत रखना चाहिए।

गुरु पूर्णिमा के मंगल अवसर पर शिक्षक रमन मालवीय, शिक्षिका सुनीता परिहार, निर्मला झरबडे तथा सेवानिवृत शिक्षिका मीरा ताई शेषकर का पुष्प गुच्छ भेंट करके स्वागत किया गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से रमन मालवीय , कैलाश राजूरकर , विजय अंबुलकर,वंदना शेषकर , चंद्रकला पाटिल , सुनीता परिहार , यशवंत शेषकर , रंजना अंबुलकर, उषा पाटिल, कांता उबनारे, स्वाति पाटिल, काशीराम पाटिल, मधुकर खातरकर, पूजा सरणकर, निर्मला झरबडे, मीराताई शेषकर, सुरेश झरबडे,प्रज्ञा अम्बुलकर, अदिति झरबडे, गीतांजलि डोंगरे, अमित खातरकर, छाया राजूरकर, माया भूमरकर, बाली भूमरकर, सीमा पाटील के अलावा बहुत बड़ी संख्या में धाम उपासक उपासीकाओं ने भाग लिया।अंत में श्री कैलाश राजूरकर द्वारा आभार व्यक्त किया गया। उसके बाद उपस्थित उपासक उपासीकाओं तथा बच्चों को खीर, मिष्ठान तथा फल बाटे गए।

**गुरु पूर्णिमा के अवसर पर साई मंदिर में आज अनिला नंद महाराज ने अपने भक्तो को दिया आशीर्वाद साथ ही खाटू श्याम के कीर्तन भजन भी हुआ अनिला महराज ने सावन मास के प्रथम सोमवार पर दी शुभ कामनाएं।**

**लालघाटी श्री काल भैरव मठ में अषाढ़ मास गुरु पूर्णिमा के अवसर पर मठ के प्रमुख कैलाशदास पंडा बाबा द्वारा ब्रह्मलीन दादा गुरु कमलादास पंडा बाबा की समाधि का पूजन किया। मठ प्रवक्ता अमित सिंह चंद्रौल ने बताया कि तत्पश्चात दोपहर में महाआरती संपन्न हुई। जिसके बाद शिष्यों द्वारा गुरु बाबा का पूजन कर आशीर्वाद लिया गया।**

## विवाद के बाद पत्नी बच्चो को घर से बाहर निकाल पति ने लगाई फांसी

**भोपाल ।** खजूरी सड़क थाना इलाके में रहने वाले एक व्यक्ति ने अपने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। बताया गया है की हादसे से पहले उसका पत्नी और बच्चों से किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इससे गुस्सा होकर उसने पत्नी और बच्चों को घर से बाहर निकाल दिया। इसके बाद फंदे पर झूल गया। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक थाना क्षेत्र में स्थित ग्राम बरखेड़ा सालम में रहने वाला ओमप्रकाश अहिरवार पिता बख्शीलाल अहिरवार (42) मेहनत-मजदूरी करता था। उसके परिवार में पत्नी सहित दो बेटियां और एक बेटा है। करीब डेढ़ महीने पहले एक्सीडेंट होने के कारण उसके पैर में फैक्चर हो गया था जिसके चलते वह काम पर नहीं जा रहा था। बीती रात करीब साढ़े10 बजे खाने की बात को लेकर ओमप्रकाश का पत्नी और बच्चों से विवाद हो गया। विवाद बड़ने पर ओमप्रकाश ने पत्नी और बच्चों को घर से बाहर निकालकर दरवाजा भीतर से बंद कर लिया था। पत्नि ने सोचा की थोड़ी में पति का गुस्सा शांत हो जायेगा। थोड़ी देर बाद पत्नी ने दरवाजा खुलवाने के लिये उसे खटखटाते हुए काफी आवाजे भी लगाई। लेकिन देर तक ऐसा करने पर भी पति ने न तो दरवाजा खोला और न ही कोई जवाब दिया। आसपास के लोग भी मौक पर पहुंचे गए और इसकी सूचना पुलिस को दी गई।

## लेफ्टिनेंट जनरल प्रीत पाल सिंह अति विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित

**संत हिरदाराम नगर।** सुदर्शन चक्र कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग जीओसी लेफ्टिनेंट जनरल प्रीतपाल सिंह को नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में भारत के राष्ट्रपति द्वारा प्रतिष्ठित अति विशिष्ट सेवा पदक (एवीएसएम) से सम्मानित किया गया। यह सम्मान लेफ्टिनेंट जनरल सिंह की भारतीय सशस्त्र बलों में असाधारण सेवा और विशिष्ट योगदान को मान्यता देता है। अपने विशिष्ट करियर के दौरान, लेफ्टिनेंट जनरल सिंह ने लगातार उल्लेखनीय पेशेवर क्षमता और नेतृत्व का प्रदर्शन किया है। उनके समर्पण और प्रतिबद्धता ने भारतीय सशस्त्र बलों की परिचालन दक्षता और रणनीतिक क्षमताओं को काफी बढ़ाया है। सुदर्शन चक्र कोर के सैन्य अधिकारियों ने कहा कि लेफ्टिनेंट जनरल सिंह के इस योग्य सम्मान पर बहुत गर्व है और हार्दिक बधाई देते हैं। उनकी अटूट सेवा और प्रेरणादायक नेतृत्व उनके साथियों को प्रेरित करता है और अगली पीढ़ी के अधिकारियों को प्रेरित करता है।

## योग धर्म साधना केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार में गुरु पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन किया गया

**भोपाल।** योग धर्म साधना केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार भोपाल में विगत 15 वर्षों से निशुल्क योग ध्यान प्राणायाम तथा जनकल्याण सेवा कार्यों को समर्पित होकर हजारों हजार स्त्री पुरुषों ,बालक बालिकाओं को प्रशिक्षण देकर सुखमय जीवन का मार्ग प्रसस्त कर रहा है । गुरु पूर्णिमा के अवसर पर योग केंद्र पर आयोजित महोत्सव में डॉ बी आर त्रिपाठी योगाचार्य एवं योग गुरु राजेश श्रीवास्तव ने दीप प्रज्वलित कर गुरु की आराधना की गई । डॉ त्रिपाठी ने अपने उद्धबोधन में कहा कि गुरु कंचन गुरु पारस गुरु चंदन परिमार तुम सद्गुरु दीपक भयो जो कीन्होआप सामान अर्थात गुरु अपने शिष्य को सर्वस्य देकर अपने जैसा बनना चाहता है । वही योग पीठ के संचालक योग गुरु राजेश ने बताया कि गुरुजनों के प्रति साधकों की जितनी आस्था

विश्वास के साथ समर्पण होगा निष्ठा होगी उतनी ही साधना को गुरु का आशीर्वाद प्राप्त होता है । मंच का कुशलतापूर्ण संचालन अलका शर्मा, आसी अग्रवाल ने किया । अंत मे दोनों गुरुजनों को साधकों ने श्रीफल शाल माल्यार्पण कर और विभिन्न भेंट देकर आशीर्वाद प्राप्त किया ।

## सावन के प्रथम सोमवार भगवान भोलेनाथ का अद्भुत श्रंगार किया

भोपाल। श्री सिद्धेश्वर साई हनुमान मंदिर कोलार रोड भोपाल में सावन सोमवार के प्रथम दिन भगवान भोलेनाथ का अद्भुत श्रंगार किया गया यह जानकारी पुजारी वैदिक पंडित देवेंद्र दुबे ने दी उन्होंने बताया प्रति सोमवार यहां पर भोलेनाथ जी की आकर्षित प्रतिमा एवं कई रूप स्थापित किए जाएंगे यह बहुत ही प्राचीन मंदिर है और यहां पर भक्तों की सभी मनोकामना पूर्ण होती है सावन सोमवार के प्रथम दिन हवन पूजन के साथ में श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ से पूजा अर्चना कर सुख शांति समृद्धि की कामना की।

## श्रीरामानंद संगीत महाविद्यालय में मनाया गुरू पुर्णिमा महोत्सव

**संत हिरदाराम नगर।** लालघाटी स्थित श्री रामानंद संगीत महाविद्यालय द्वारा गुरु पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन धूमधाम से किया गया। जिसमें गुरु का सम्मान तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतर्गत शास्त्रीय गायन वादन तथा नृत्य की छात्रों ने प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में संस्था के सचिव पंडित भंवर लाल शर्मा उपस्थित थे। कार्यक्रमों की तैयारी संस्था के शिक्षक गण योग्यता शर्मा, कपिल शर्मा, प्रज्ञा शर्मा तथा वाणी शर्मा द्वारा कराई गई।

## पचमढ़ी मानसून मैराथनः हल्की फुहारों के बीच धावकों की जोश भरी दौड़

**भोपाल।** नर्मदापुरम जिले के हिल स्टेशन पचमढ़ी में रविवार को मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड (एमपीटीबी) के सहयोग से %एडवेंचर एंड यू (के.ए. कनेक्ट) द्वारा आयोजित छठवें संस्करण की पचमढ़ी मानसून मैराथन का भव्य और सफल आयोजन हुआ। इस मैराथन में देशभर से 1165 धावकों ने भाग लिया और पचमढ़ी के प्राकृतिक सौंदर्य के बीच 42 किलोमीटर, 21 किलोमीटर, 10 किलोमीटर और 5 किलोमीटर की दौड़ में हिस्सा लिया। मैराथन की शुरुआत एमपीटी ग्लेनव्यू होटल से हुई। 42 किलोमीटर की दौड़ अलसुबह 3 बजे शुरू हुई, जबकि अन्य तीनों दौड़ें सुबह 6 बजे शुरू की गईं। इन दौड़ों को टूरिज्म बोर्ड के ज्वाइंट डायरेक्टर डॉ. संतोष कुमार श्रीवास्तव और डिप्टी डायरेक्टर वीरेंद्र खंडेलवाल ने फ्लैग ऑफ किया। खास बात यह रही कि 6 वर्ष के बच्चे से लेकर 82 वर्ष के बुजुर्ग तक ने इस मैराथन में हिस्सा लिया। नर्मदापुरम की पूर्व कलेक्टर श्रीमती अर्चना दास ने भी 21 किलोमीटर की दौड़ में भाग लिया।

## इंडस गार्डन फेज एक बाबड़िया कलां योग केन्द्र के योग साधकों ने मनाया गुरु पूर्णिमा पर्व

**भोपाल।** इंडस गार्डन फेज एक बाबड़िया कलां योग केन्द्र के योग साधकों ने मनाया गुरु पूर्णिमा पर्व मनाया गया। योग साधकों नें वरिष्ठ योग गुरु श्रीमती पुष्पा भदौरिया जी एवं योग गुरु महेश अग्रवाल का पुष्प माला शाल श्रीफल उपहार सें सम्मान किया गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से कालोनी वरिष्ठ नरेश कुमार सिंह भदौरिया , रमेश कुमार साहू, मनीषा श्रीवास्तव , किरण जौहरी , सुनीता तेजवानी, प्रीति सेठ, दीप्ती दूरवार , ज्योति खरे, ज्योति परिहार, आरती नायक सहित सभी नियमित योग साधक उपस्थित रहें । इस अवसर पर योग गुरु महेश अग्रवाल नें बताया कि क्या आध्यात्मिक विकास में गुरु की सचमुच आवश्यकता होती है? यह प्रश्न सभी युगों में उठाया गया है। कई लोग सोचते हैं कि गुरु जरूरी नहीं है, जबकि अन्य बहुत लोगों का विश्वास है कि गुरु नितान्त आवश्यक है। वास्तव में मूल गुरु और भगवान अपने अन्दर ही हैं, लेकिन उन्हें देख और समझ पाना बहुत कठिन है। इसलिए अपने बाहर उनकी प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति की जरूरत होती है। इसी कारण अधिकांश अध्यात्म-साधकों के गुरु शरीर-रूप में होते हैं। इसे दूसरे ढंग से भी कहेंगे। व्यक्ति के अन्दर छिपी हुई दिव्यता का विस्फोट कराने के लिए एक बाहरी विस्फोटक लगाना पड़ता है और वह प्रत्यक्ष प्रकट और प्रचंड विस्फोटक है-गुरु। गुरु एवं भगवान् ही क्यों; माता, पिता, भाई, पति, पुत्र ये सब भी बाहर नहीं, बल्कि तुम्हारे अपने अन्दर ही हैं। वे हमारी भावनाओं के विभिन्न स्वरूप हैं। उन्हें अभिव्यक्त करने के लिए हमें बाह्य प्रतीक के रूप में माँ, बाप, भाई, पति, पुत्र और शायद शत्रु की भी जरूरत होती है।

## एलएनसीटी यूनिवर्सिटी मे इंटरनेशनल स्टूडेंट्स के ग्रेजुएशन सेरेमनी का भव्य आयोजन

भोपाल। एलएनसीटी यूनिवर्सिटी, के 17अंतरराष्ट्रीय छात्रों, जिन्होंने विभिन्न विषयों में स्नातक किया है, को 20 जुलाई, शनिवार को आयोजित ग्रेजुएशन समारोह में उनके डिग्री प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। युगांडा, तंज़ानिया, केन्या, रुआण्डा, बुरुन्डी, सीरिया, जिम्बाब्वे, सूडान, नेपाल, नाइजीरिया आदि देशों से संबंधित छात्रों ने एलएनसीटी यूनिवर्सिटी के विभिन्न पाठक्रमो में पाठ्यक्रम को पूरा करते हुए फार्मेसी, जर्नलिज्म और मास कम्युनिकेशन, पैरामेडिकल, मैनेजमेंट के विषयों में स्नातक की उपाधि प्राप्त की।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहे एलएनसीटी ग्रुप के सचिव डॉ अनुपम चौकसे ने छात्रों को प्रमाण पत्र प्रदान किए। उनके साथ मंच पर ग्रुप की एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ श्वेता चौकसे और एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर श्री धर्मेन्द्र गुप्ता उपस्थित थे। यह समारोह विभिन्न देशों के छात्रों की रंगारंग उपस्थिति के साथ विविध संस्कृतियों

का एक संगम था। स्नातक छात्रों ने अपने पारंपरिक वस्त्रों में शिरकत की, जिसने मंच को जीवंत बना दिया।

इस समारोह में भोपाल में रह रहे विभिन्न देशों और संस्कृतियों से आने वाले लगभग 150 स्नातकों ने अपनी उपलब्धियों का जश्न मनाया। समारोह में भाषण, पुरस्कार वितरण और उनके देशों के सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल थे। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ एन के थापक, रजिस्ट्रारडॉ अजीत कुमार सोनी और श्री दमनप्रीत सिंह इंचार्ज विश्वविद्यालय आउटरीच कार्यक्रम, उपस्थित थे। स्नातक छात्रों को संबोधित करते हुए, अनुपम चौकसे ने उन्हें ग्रेजुएशन की यात्रा पूरी करने के लिए बधाई दी और छात्रों को उनके लक्ष्य हासिल करने और दुनिया भर में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि विदेश में शिक्षा प्राप्त करना एक चुनौतीपूर्ण अनुभव होता है, और स्नातक होना छात्रों की कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प का प्रमाण है। आप एक ऐसे विश्वविद्यालय से उत्तीर्ण हुए हैं जिसे राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) द्वारा स्थान दिया गया है और एक इंजीनियरिंग कॉलेज लगातार पांचवे वर्ष प्रदेश स्तर पर 1ह्यह्ल स्थान प्राप्त किया है। मुझे विश्वास है कि जब आप अपने देश लौटेंगे तो आपको दी गई शिक्षा आपके बहुत काम आएगी।

घाना के जॉन , जिन्होंने स्वीकृति भाषण दिया, ने शिक्षकों और अन्य लोगों को उनकी मदद और मार्गदर्शन से पाठ्यक्रम पूरा करना संभव बनाने के लिए धन्यवाद दिया।

# प्रदेश के सभी स्कूल और कॉलेजों में अब हर वर्ष मनाया जाएगा गुरू पूर्णिमा महापर्व

## भारतीय संस्कृति में गुरूजनों का स्थान सर्वोच्चः मुख्यमंत्री

### मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पूर्व कुल गुरुओं एवं शिक्षकों का किया सम्मान

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारतीय संस्कृति में गुरुजनों का स्थान सर्वोच्च है। गुरू शिक्षा के साथ ही ज्ञान का प्रसार भी करते हैं। वे अपने शिष्यों को अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। गुरुजनों का सम्मान भारतीय परंपरा और संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। गुरुजनों के सम्मान के लिए अब प्रदेश में हर वर्ष सभी स्कूल और कॉलेजों में गुरूपूर्णिमा का महापर्व मनाया जाएगा। विद्यार्थियों को गुरुओं की महत्ता बताई जाएगी। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे इस आयोजन से जुड़े और गुरुओं के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज इंदौर के देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के सभागृह में आयोजित गुरू पूर्णिमा के कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महाभारत के अनेक प्रसंगों का उल्लेख करते हुए गुरू शिष्य परम्पराओं का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि गुरू शिक्षा के साथ ज्ञान भी देते हैं। वे अन्याय एवं अधर्म से लड़ना सिखातें हैं। जीवन जीने की कला सिखाते और शिक्षा एवं ज्ञान का दान करते हैं। इस कार्य में वे अपने कष्टों को भी बाधा नहीं बनने देते हैं। गुरू का साथ मिलते ही शिष्य के जीवन में सकारात्मक बदलाव आता है और वह सफलता की ऊंचाइयों को प्राप्त करने लगता है। उन्होंने कहा कि गुरू-परम्परा समुचित मानवता को धन्य करने की परम्परा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आचार्य सांदीपनि का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए कहा कि गुरुजन राष्ट्रवादी सोच का प्रवाह अपने शिष्यों में करते हैं। आचार्य सांदीपनि इसका बेहतर उदाहरण है। आचार्य सांदीपनि ने अपने ज्ञान से राष्ट्र निर्माण और अपने राष्ट्र के प्रति समर्पण का भाव सिखाया है। गुरुओं का महत्व सबके के सामने आना चाहिए। इसके लिये हमने प्रदेश में हर वर्ष स्कूल और कॉलेजों में गुरू पूर्णिमा का महापर्व पूर्ण आस्था और श्रद्धा के साथ मनाने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि भारत देश को अपने ज्ञान के आधार पर ही विश्व गुरु का दर्जा मिला है।

महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय के पूर्व कुलगुरू श्री मिथिला प्रसाद त्रिपाठी ने कहा कि गुरुओं का जीवन में अक्षुण्ण महत्व है। गुरू अंतस के अंधकार को भी मिटाता है। गुरू अपना सब कुछ शिष्य को दे देता है। गुरू शिष्य में प्रतिबिंबित होते हैं। गुरू ज्ञान के साथ ही संस्कार एवं जीवन मूल्य भी सिखाते हैं। गुरुओं के महत्व को बताने के लिये राज्य शासन द्वारा हर वर्ष गुरू पूर्णिमा का महापर्व मनाये जाने का निर्णय सराहनीय है। अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा श्री के.सी. गुप्ता ने भारतीय परंपरा में गुरु शिष्य के संबंधों की महत्ता पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम के प्रारंभ में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की कुलगुरू प्रो. रेणु जैन ने स्वागत भाषण दिया। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय सहित अन्य विश्वविद्यालयों के पूर्व कुलगुरूओं एवं शिक्षक गणों का सम्मान भी किया गया। साथ ही गुरू पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारतीय गणित पर लिखित पुस्तकों का विमोचन भी किया। कार्यक्रम में उन्होंने मोढ़ी लिपि को देवनागरी लिपि में परिवर्तित करने, सॉफ्टवेयर तैयार करने वाली बालिका अंशिका जैन का सम्मान भी किया।

**गुरुजनों के बीच पहुंचे और पुष्प वर्षा कर सम्मान किया:** मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरू पूर्णिमा के अवसर पर देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे। डॉ. यादव मंच से उतरकर गुरुजनों के बीच पहुंचे। उन्होंने सभागृह में मौजूद पूर्व कुलगुरूओं एवं शिक्षकों का पुष्प वर्षा कर सम्मान किया। कार्यक्रम में जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक उषा ठाकुर, मालिनी गौड़, मधु वर्मा तथा गोलू शुक्ला, संभागायुक्त दीपक सिंह, पुलिस कमिश्नर राकेश गुप्ता, कलेक्टर आशीष सिंह, गौरव रणदिवे भी मौजूद थे।

## इंदौर में दिखा मुख्यमंत्री का संवेदनशील रूप, भुट्टे की दुकान पर रुककर जाना हाल चाल



इंदौर ~ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आज इंदौर प्रवास के दौरान संवेदनशील और सरल, सहज स्वरूप दिखा। मुख्यमंत्री एयरपोर्ट वापसी के दौरान चलते काफिले को रुकवाकर रामचंद्र नगर चौराहा पर एक भुट्टे की दुकान पर रूके। उन्होंने भुट्टे बेच रही सुमन पाटीदार से आत्मीयता पूर्वक बात की और भुट्टे भी लिये। उन्होंने सुमन की समस्याएं और हाल चाल पूछा तथा समस्या निराकरण के लिए कलेक्टर आशीष सिंह को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने बुजुर्ग महिला की नातिन कु. निकिता पाटीदार और नाती तुषार पाटीदार से बातचीत करते हुए उन्हें आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक मालिनी गौड, मधु वर्मा, संभागायुक्त दीपक सिंह, गौरव रणदीवे सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित थे।

**रीवा में महिलाओं पर मुरुम डालने का मामला**

## पुलिस ने एक आरोपी को हिरासत में लिया, डंपर भी जब्त

**भोपाल।** रीवा के थाना मनगवां अंतर्गत हनौता कोठार गांव में जमीन को लेकर पारिवारिक विवाद में दो महिलाओं पर डंपर से मुरुम डालने के मामले में पुलिस ने तत्परता से कार्रवाई की है। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक श्री विवेक सिंह ने बताया कि यह एक पारिवारिक विवाद है। इस प्रकरण में पुलिस ने डंपर को जब्त कर लिया है। आरोपी विपिन पांडेय को पुलिस ने हिरासत में लिया है वहीं दो अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। महिलाओं का अस्पताल में उपचार कराया गया, जहां से उन्हें छुट्टी दे दी गई है। हिनौता कोठार में जमीनी विवाद का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा था, इसकी सूचना मिलते ही पुलिस बल को मौके पर पहुंचा। यहां फरियादी आशा पांडेय पति सुरेश पाण्डेय (25 वर्ष) ने पुलिस को बताया कि उनका, ससुर गौकरण पांडेय से साझे की जमीन को लेकर रास्ता निकलने को लेकर विवाद है। शनिवार दोपहर करीब 2 बजे गौकरण पांडेय और देवर विपिन पांडेय विवादित जमीन पर सड़क बनवाने के लिए हाइवा से मुरूम लेकर आए। जहां आशा पांडेय अपनी देवरानी ममता पांडेय के साथ जाकर हाइवा क्रमांक एमपी 17 एचएच-3942 के चालक को मुरूम गिराने से मना करने लगी। हाइवा चालक ने दोनों की बात नहीं सुनी तो वे डंपर के पीछे मुरुम गिरने के स्थान पर बैठने लगी इसी बीच अचानक हाइवा चालक ने तेजी से मुरुम गिरा दी। दोनों मुरुम में दबने लगी, तभी मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने उन्हें बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया।

### मास्टर प्लान का परीक्षण और अनुशंसा करेंगे 5 आईएएस अफसर

**भोपाल।** मध्यप्रदेश के राष्ट्रीय उद्यानों और वन्य जीव अभ्यारण्यों के जोनल मास्टर प्लान का गजट नोटिफिकेशन करने से पहले 5 आईएएस अफसर इसका परीक्षण और स्पष्ट अनुशंसा करेंगे। इसके बाद ही यह नोटिफिकेशन जारी किए जाएंगे। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश के राष्ट्रीय उद्यानों और वन्य जीव अभ्यारण्यों के अधिसूचित इको सेंसेटिव जोन्स का जोनल मास्टर प्लान मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा बनाया जा रहा है। इसके परीक्षण के लिए राज्य स्तरीय अंतरविभागीय समिति बनाई गई है। इस समिति में वन विभाग के अपर मुख्य सचिव अध्यक्ष रहेंगे।

## पीएम आवास योजना में गड़बड़ी की मॉनिटरिंग अब भोपाल से, हेल्पलाइन नंबर जारी!

भोपाल। पीएम आवास योजना में मिल रही शिकायतों के निराकरण के लिए शासन गंभीर है। अब इंदौर जिले में पीएम आवास योजना की मॉनिटरिंग भोपाल से की जाएगी। इसके लिए एक हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया गया है। ऐसे लोग जिन्होंने पीएम आवास योजना में फ्लैट आदि की बुकिंग की है या अन्य कोई शिकायत है वह इस नंबर पर अपनी शिकायत दर्ज कर सकेंगे। जानकारी अनुसार इंदौर में ऐसे मामले भी सामने आए हैं जिनमें वास्तविक खरीददार का फ्लैट अधिकारियों और कर्मचारियों ने किसी अन्य व्यक्ति को दे दिया है। हालांकि यह फ्लैट कुछ समय के लिए दिया गया। लेकिन, जिसे दिया गया उसने फ्लैट में गंभीर किस्म की तोड़फोड़ और गड़बड़ कर दी। इसके बाद वास्तविक फ्लैट मालिक प्रधानमंत्री आवास योजना के अधिकारियों से यह कह रहे हैं कि फ्लैट का पूर्ण रिनोवेशन करवा कर दिया जाए। उसके बाद ही वह फ्लैट का कब्जा लगा। ऐसी शिकायत भोपाल तक पहुंच चुकी है। इसके बाद हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया। जो हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया है वह 0755-27062001 है, जो लैंडलाइन नंबर है।

## दुकान के बोर्ड पर मालिक का नाम लिखने संबंधी निर्देश नहीं

**भोपाल।** नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने स्पष्ट किया है कि नगरीय क्षेत्र अंतर्गत कावड़ यात्रियों के मार्ग में आने वाली दुकानों के बोर्ड पर दुकान मालिक के नाम लिखने संबंधित कोई भी निर्देश नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा या शासन स्तर पर जारी नहीं किए गए हैं। विभाग ने कहा कि कुछ निकायों से इस तरह की खबरें आ रही थी कि वहां कावड़ यात्रियों के मार्ग में दुकानों पर दुकान मालिक के नाम अनिवार्य रूप से लिखवायें जा रहे हैं, विभाग ने समस्त नगरीय निकायों को निर्देश दिए कि भ्रम से दूर रहें। मध्यप्रदेश आउटडोर विज्ञापन मीडिया नियम,2017 के तहत दुकानों पर बोर्ड लगाए जा सकते हैं। इन बोर्डों पर दुकान मालिक का नाम प्रदर्शित करने की कोई अनिवार्यता नहीं है।

भोपाल। अशोका बुद्ध विहार अन्ना नगर भोल में सावृजनिक स्मृति सभा एवं वर्षावास का शुभारंभ हुआ।

## आरसी और सीएचसी कोलार को मिला राष्ट्रीय गुणवत्ता प्रमाणीकरण

**भोपाल।** स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को सुनिश्चित करने के लिए दिए जाने वाले नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड (ह्न्नह्र) के तहत भोपाल जिले की सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) कोलार को गुणवत्ता प्रमाणीकरण प्राप्त हुआ है। इस संस्था को 92त्न अंक प्राप्त हुए हैं, जो स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी किया गया है। भारत सरकार के दल ने 8 और 9 जुलाई को संस्था का मूल्यांकन किया था। मूल्यांकन दल ने संस्था और समुदाय में प्रदान की जा रही सेवाओं की विस्तृत जांच की, जिसमें सभी रिकॉर्ड्स, रजिस्टर और मरीजों को दी जा रही सेवाओं के प्रोटोकॉल की जांच शामिल थी। इसके अलावा, सामुदायिक चिकित्सा अधिकारी, एएनएम, और आशा कार्यकर्ता से फील्ड अनुभवों का फीडबैक लिया गया और उनकी क्षमता का आकलन भी किया गया। मूल्यांकन दल ने हितग्राहियों से बातचीत करके संस्था में दी जा रही सेवाओं का फीडबैक लिया और मैदानी स्तर पर दी जा रही सेवाओं की जानकारी प्राप्त की। मूल्यांकन विभिन्न 9 सर्विस पैकेजेस की चेकलिस्ट अनुसार किया गया, जिसमें एक्सीडेंट और इमरजेंसी, आउट पेशेंट, लेबर रूम, इन पेशेंट, लैबोरेटरी, रेडियोलॉजी, फार्मेसी, स्टोर, ऑक्सीलरी सर्विसेज, प्रशासन और आउटरीच गतिविधियों सहित सभी राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की जानकारी ली गई।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल, डॉ. प्रभाकर तिवारी ने बताया कि जिले की सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं और सभी संस्थाओं का संचालन क्वालिटी मानकों के अनुरूप किया जा रहा है।

### 24 जुलाई को लोक जतन सम्मान-2024 का आयोजन, देशबन्धु समाचार पत्र के संपादक पलाश सुरजन को सम्मानित किया जाएगा



**भोपाल।** पॉलीटेक्निक चौराहा स्थित गांधी भवन के मोहनिया सभागार में 24 जुलाई को लोक जतन सम्मान-2024 कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इसमें लोकजतन के संस्थापक संपादक शैलेन्द्र शैली के जन्म दिन पर जनोन्मुखी पत्रकारिता के प्रति समर्पित देशबन्धु समाचार पत्र के संपादक पलाश सुरजन को सम्मानित किया जाएगा। इसी के साथ शैलेन्द्र शैली स्मृति व्याख्यान श्रृंखला 2024 की शुरूआत के रूप में सांस्कृतिक साहित्यिक मोर्चे पर डटे सहमत के वरिष्ठ समन्वयक सुहेल हाशमी का व्याख्यान होगा।

## महापौर मालती राय ने निगम अध्यक्षकिशन सूर्यवंशी की उपस्थिति में योगाचार्यों का किया सम्मान




**भोपाल।** महापौर मालती राय ने निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी की उपस्थिति में योगाचार्यों का शॉल-श्रीफल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर पूर्व पार्षद श्री अमित शर्मा के अलावा समाज सेवी श्री लीलेन्द्र मारण सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद थे। महापौर श्रीमती मालती राय ने निगम अध्यक्ष श्री किशन सूर्यवंशी की उपस्थिति में रविवार को गुरू पूर्णिमा के अवसर पर कोटरा में योग अनुसंधान परिषद द्वारा आयोजित सम्मान समारोह का शुभारंभ किया। महापौर श्रीमती राय व अध्यक्ष श्री सूर्यवंशी ने योगाचार्यों को शॉल, श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया। इस मौके पर महापौर श्रीमती राय ने गुरू पूर्णिमा की बधाई एवं शुभकामनाएं भी उपस्थितजन को दी। निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने भी बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की।

# पश्चिम मध्य रेलवे के 29 स्टेशनों पर 1000 सीसीटीवी कैमरों से निगरानी

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

भारतीय रेलवे और रेलटेल द्वारा प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर आईपी आधारित सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए गए हैं, जिससे यात्रियों, विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। महाप्रबंधक के प्रयासों के तहत पश्चिम मध्य रेलवे के तीनों मंडलों में इन आधुनिक तकनीक के कैमरों का विस्तार तेजी से किया जा रहा है। अब तक, पश्चिम मध्य रेलवे के 29 प्रमुख स्टेशनों पर 999 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। भविष्य में सभी श्रेणी के स्टेशनों पर यह सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी, साथ ही लेवल क्रॉसिंग गेटों पर भी सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए जा रहे हैं। चालू वित्तीय वर्ष में 53 लेवल क्रॉसिंग गेटों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। स्टेशन परिसरों में सुरक्षा बढ़ाने के लिए सीसीटीवी कैमरों और वीडियो फीड की निगरानी तीन स्तरों पर की जा रही है। प्रत्येक रेलवे में केंद्रीकृत नियंत्रण कक्ष स्थापित किए गए हैं, जो संबंधित स्टेशनों से वीडियो फीड प्रदर्शित करते हैं। कैमरों की निगरानी के लिए नेटवर्क प्रबंधन प्रणाली भी उपलब्ध कराई गई है, जिसे अधिकृत कर्मी किसी भी वेब ब्राउजर से देख सकते हैं। ऑप्टिकल फाइबर केबल पर नेटवर्क किए गए ये सीसीटीवी कैमरे स्थानीय आरपीएफ पोस्ट और मंडल स्तर के केंद्रीकृत सीसीटीवी नियंत्रण कक्ष में वीडियो फीड प्रदर्शित करते हैं। यह व्यवस्था आरपीएफ अधिकारियों को सुरक्षा में सुधार के लिए अतिरिक्त सहयोग प्रदान करती है। सीसीटीवी कैमरों की वीडियो फीड 30 दिनों तक रिकॉर्ड की जा सकती है।

भोपाल मंडल के10 प्रमुख स्टेशनों पर 502 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इनमें भोपाल स्टेशन 108, इटारसी स्टेशन 78, रानी कमलापति स्टेशन 176, विदिशा स्टेशन 15, बीना स्टेशन 40, संत हिरदाराम नगर स्टेशन 14, नर्मदापुरम स्टेशन 35, शिवपुरी स्टेशन 16, सांची स्टेशन10, गंजबासौदा स्टेशन 10

जबलपुर मंडल में 11 प्रमुख स्टेशनों पर 257 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं इनमें जबलपुर स्टेशन 52, कटनी स्टेशन 15, दमोह स्टेशन 15, सागर स्टेशन 15, सतना स्टेशन 15, मैहर स्टेशन 40, मदनमहल स्टेशन 30, पिपरिया स्टेशन 38, रीवा स्टेशन 31, कटनी मुड़वारा स्टेशन 4, नरसिंहपुर स्टेशन 2।

कोटा मंडल में 8 प्रमुख स्टेशनों पर 240 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। कोटा स्टेशन 65, सवाई माधोपुर स्टेशन 40, भरतपुर स्टेशन 30, गंगापुरसिटी स्टेशन 25, बूंदी स्टेशन 20,भवानीमंडी स्टेशन 26,रामगंजमंडी स्टेशन 17, हिंडौनसिटी स्टेशन~ 17 शामिल है।

## सम्पादकीय

# बांग्लादेश में हिंसा और भारत

पड़ौसी देश बांग्लादेश में बीते एक सप्ताह से जारी हिंसा की वजह बने विवादित आरक्षण को देश की सुप्रीम कोर्ट ने एक फैसले में रद्द कर दिया है। इसके बाद भी बांग्लादेश में स्थिति तनावपूर्ण और अस्थिर बनी हुई है। विपक्षी बांग्लादेश नेशनल पार्टी ने जमात-ए-इस्लामी की मदद से हसीना सरकार को हटाने की धमकी दी है और देश की सेना को प्रभावित करने के लिए अभियान शुरू किया है। इससे कहीं न कहीं भारतीय हितों पर भी निश्चित तौर पर असर पड़ेगा। खास तौर पर बंगाल पर विशेष नजर रखने की जरूरत महसूस की जा रही है।

एक प्रमुख घटनाक्रम के तहत बांग्लादेश की सेना के जूनियर अधिकारियों के नाम से हस्ताक्षरित एक फर्जी पत्र प्रसारित किया गया, जिसका उद्देश्य सेना प्रमुख पर दबाव डालना था। ढाका स्थित सूत्रों का दावा है कि देश का सुरक्षा प्रतिष्ठान प्रधानमंत्री शेख हसीना का समर्थन कर रहा है। इस बीच रविवार को बांग्लादेश की शीर्ष अदालत ने सरकारी नौकरियों में विवादित 30 प्रतिशत आरक्षण को रद्द करने का फैसला सुनाया। इसे हटाने के लिए बांग्लादेश में छात्रों ने बड़ा प्रदर्शन शुरू किया था, जो बीते मंगलवार को हिंसक हो गया। अब तक इन प्रदर्शनों में कम से कम 114 लोग मारे गए हैं।

समाचार एजेंसियों के अनुसार सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि सरकारी नौकरियों में 93 फीसदी पद योग्यता के आधार पर भरे जाएंगे। बांग्लादेश मुक्ति संग्राम में हिस्सा लेने वालों के परिजनों के लिए सिर्फ 5 प्रतिशत सीटें आरक्षित रहेंगी। बाकी 2 प्रतिशत सीटें जातीय अल्पसंख्यकों, ट्रांसजेंडरों और विकलांगों को दी जाएंगी। यहां उल्लेखनीय है कि हसीना के नेतृत्व वाली सरकार ने साल 2018 में कोटा सिस्टम को रद्द कर दिया था, लेकिन हाई कोर्ट ने पिछले महीने सरकार के फैसले को अवैध बताते हुए इसे बहाल कर दिया था, जिसके बाद प्रदर्शन शुरू हो गए थे।

बाद में इन प्रदर्शनों पर कट्टर जमात-ए-इस्लामी और बीएनपी ने कब्जा जमा लिया। आरक्षण खत्म करने के साथ ही छात्रों ने 9 सूत्री मांगें भी रखी हैं, जिसमें प्रधानमंत्री से माफी मांगना, दो वरिष्ठ मंत्रियों को बर्खास्त करना और छात्रों को कुछ रियायतें देना शामिल हैं। हसीना सरकार इन मांगों की समीक्षा कर रही है और अराजकता और न बढ़े इसके लिए ठोस उपाय तलाश कर रही है।

फिलहाल, बांग्लादेश की स्थिति पर नई दिल्ली में बारीकी से नजर रखी जा रही है। यह वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए बहुत जरूरी भी है, क्योंकि बांग्लादेश में अस्थिरता और अशांति का पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर में भारत की सुरक्षा और आर्थिक हितों पर सीधा असर पड़ता है। बांग्लादेश के विशेषज्ञों ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर आशंका जताई कि अगर स्थिति को समझदारी से नहीं संभाला गया तो हसीना विरोधी आंदोलन भारत विरोधी आंदोलन में बदल सकता है। और बांग्लादेश में कट्टरपंथी ताकतों का मजबूत होना भारत के हितों के लिए हानिकारक है।

बांग्लादेश और क्षेत्रीय राजनीति के जानकारों का कहना है कि, भारत दक्षिण एशिया में बांग्लादेश का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। दोनों बिम्सटेक, सार्क, बीबीआईएन और आईओआरए जैसे क्षेत्रीय विकास और एकीकरण पहलों में सह-भागीदार भी हैं। बांग्लादेश आईपीओआई, आईएसए, जीबीए, सीडीआरआई आदि में भी शामिल हो गया है। भारत के लगभग सारे पूर्वोत्तर राज्य बांग्लादेश पर निर्भर हैं और इसी तरह बांग्लादेश भी भारत पर निर्भर है। आर्थिक तौर पर निर्भरता महत्वपूर्ण तथ्य है।

इसलिए बांग्लादेश की अराजकता हमारे लिए चिंता का विषय है। वहां की स्थिरता पूर्वोत्तर भारत और अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय पहलों को बनाए रखने के लिए आवश्यक है। अस्थिर बांग्लादेश केवल भारत ही नहीं बल्कि पूरे बंगाल की खाड़ी क्षेत्र के लिए सुरक्षा खतरा बन सकता है। इसके चलते भारत का स्थाई दुश्मन चीन भी वहां हरकत कर सकता है और अपनी पैठ बढ़ा सकता है। यह भारत के लिए और अधिक समस्या का कारण बन जाएगा। इसलिए बांग्लादेश के मामले को जितना हो सकते जल्द सुलझा लिया जाए तो बेहतर होगा।

# उज्जैन में क्यों निकाली जाती है महाकाल की सवारी..?

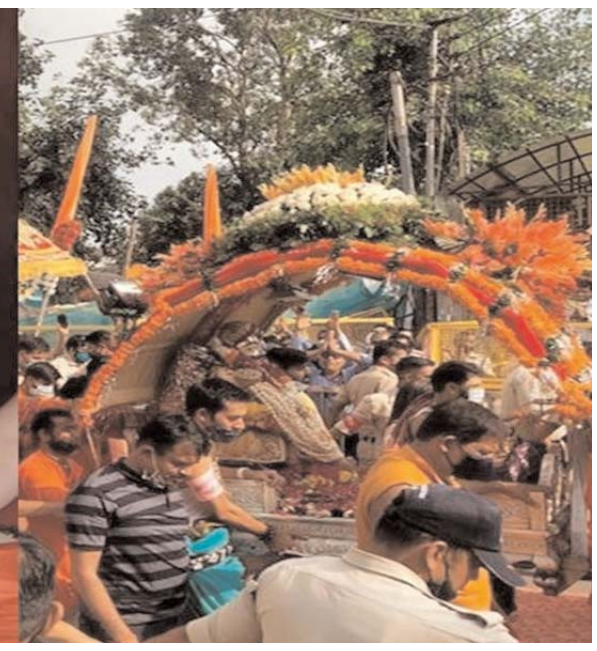

हर साल महाकाल अपनी नगरी के भ्रमण पर निकलते हैं और नगरवासियों का हाल जानते हैं। भगवान महाकालेश्वर को उज्जैन नगरी का राजाधिराज महाराज माना जाता है। महाकाल की शाही सवारी पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। मान्यता है कि भगवान महाकाल की शरण में आए बिना इस नगरी का पत्ता भी नहीं हिलता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि शाही सवारी क्यों निकाली जाती है और यह यशस्वी परंपरा का इतिहास क्या है?

**बाबा की सवारी कब से कब तक निकलेगी**

सावन के महीने में उज्जैन महाकालेश्वर में बाबा महाकाल की सवारी की तैयारियां जोर-शोर के बीच पूरी हो चुकी हैं। अगर आप भी महाकाल की सवारी के लिए उत्सुक हैं। तो हम आपको बता दें कि 22 जुलाई को बाबा महाकाल की पहली सवारी निकाली जाएगी। इस दिन अपने भक्तों का हाल जानने के लिए बाबा महाकाल खुद नगर भ्रमण पर निकलेंगे। उनकी शाही सवारी 2 सितंबर को निकाली जाएगी।

**इन रास्तों से गुजरेंगे महाकाल**

मध्य प्रदेश की धार्मिक नगरी उज्जैन में श्री महाकालेश्वर की सवारी महाकालेश्वर मंदिर से महाकाल लोक, गुदरी चौराहा, बक्षी बाजार, कहारवाड़ी से होते हुए रामघाट शिप्रा तट पहुंचेगी। यहां से वापसी में सवारी रामानुज कोट, मोढ़ की धर्मशाला, कार्तिक चौक, खाती समाज मन्दिर, सत्यनारायण मन्दिर, ढाबा रोड, टंकी चौराहा, छत्री चौक, गोपाल मन्दिर, पटनी बाजार और गुदरी बाजार होते हए श्री महाकालेश्वर मंदिर आएगी।

**महाकाल की सवारी का इतिहास**

पहले सावन महीने में महाकाल की सवारी नहीं निकलती थी, सिर्फ सिंधिया वंशजों के सौजन्य से महाराष्ट्रीयन पंचाग के अनुसार दो या तीन सवारी ही निकलती थीं। एक बार उज्जयिनी के प्रकांड ज्योतिषाचार्य पद्मभूषण स्व. पं. सूर्यनारायण व्यास के निवास पर कुछ विद्वजन के साथ कलेक्टर भी बैठे थे। आपसी विमर्श में परस्पर सहमति से तय हुआ कि क्यों न इस बार सावन के आरंभ से ही सवारी निकाली जाए। सवारी निकाली गई और उस समय उस प्रथम सवारी का पूजन सम्मान करने वालों में तत्कालीन मुख्यमंत्री गोविंद नारायण सिंह, राजमाता सिंधिया व शहर के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। सभी पैदल सवारी में शामिल हुए और इस तरह एक खूबसूरत परंपरा का आगाज हो गया।

**सिंधिया परिवार ने शुरू की परंपरा**

सिंधिया परिवार की ओर से शुरू की गई ये परंपरा आज भी जारी है। पहले महाराज स्वयं शामिल होते थे, बाद में राजमाता नियमित इस यात्रा में शामिल होती रहीं और आज भी उनका कोई ना कोई प्रतिनिधित्व सम्मिलित होता है। महाकालेश्वर मंदिर में एक अखंड दीप भी आज भी उन्हीं के सौजन्य से जलता है।

**महाकाल की सवारी का महत्व**

भक्त महाकाल को उनकी पसंद के भोग अर्पित करते हैं। इन भोगों में फूल, फल, मिठाई, दूध शामिल होते हैं। महाकाल की सवारी के दौरान कई भक्त महाकाल के जयकारे लगाते हैं और उनके नाम का जाप करते हैं। महाकाल की सवारी एक भव्य और पवित्र जुलूस है, जो महाकाल के प्रति श्रद्धा और भक्ति दर्शाता है, उज्जैन शहर के साथ साथ अब दूर-दूर से लोग महाकाल की एक झलक पाने के लिए यहां पहुंचते हैं।

### महाकालेश्वर भगवान मनमहेश स्वरूप के अतिरिक्त 7 स्वरूपों में देंगे भक्तों को दर्शन

तीनों लोकों में पूजनीय बाबा श्री महाकालेश्वर जी की श्रावण-भाद्रपद माह में निकलने वाली सवारी की प्रतीक्षा सम्पूर्ण संसार करता है। जब श्री महाकालेश्वर भगवान अपनी प्रजा का हाल जानने नगर भ्रमण के लिए निकलते हैं। भक्त भी उनकी मनमोहक छवि के दर्शन कर रोमांचित हो उठते हैं। श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के प्रशासक एवं अपर कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने बताया कि, श्रावण माह की पाच, और भाद्रपद माह की दो सवारियां मिलाकर कुल 07 सवारियों में भगवान श्री महाकालेश्वर विविध मोहक रूपों में भक्तो का हाल जानने नगर भ्रमण पर निकलेगे।

सवारियों के क्रम में श्रावण माह के पहले दिन ही सोमवार 22 जुलाई 2024 को श्री महाकालेश्वर भगवान जी की सवारी नगर भ्रमण पर अपने भक्तों को दर्शन देने के लिये परम्परागत मार्ग से निकाली जावेगी।

भगवान श्री महाकालेश्वर की दूसरी सवारी 29 जुलाई 2024 को निकलेगी। इसमें पालकी में भगवान श्री चन्द्रमौलेश्वर के स्वरूप में और हाथी पर श्री मनमहेश के स्वरूप में विराजित होंगे।

तीसरी सवारी 05 अगस्त 2024 को निकाली जायेगी। इस दौरान पालकी में भगवान श्री चन्द्रमौलेश्वर के स्वरूप में रहेंगे, हाथी पर श्री मनमहेश के स्वरूप में और गरूड़ रथ पर शिवतांडव के स्वरूप में विराजित होंगे।

इसी प्रकार चौथी सवारी 12 अगस्त 2024 को निकाली जायेगी, जिसमें पालकी में श्री चन्द्रमौलेश्वर, हाथी पर श्री मनमहेश, गरूड़ रथ पर शिवतांडव और नन्दी रथ पर उमा.महेश के स्वरूप में विराजित होंगे।

पंचम सवारी 19 अगस्त 2024 को निकलेगी। इस दौरान पालकी में श्री चन्द्रमौलेश्वर, हाथी पर श्री मनमहेश, गरूड़ रथ पर शिवतांडव, नन्दी रथ पर उमा-महेश और डोल रथ पर होल्कर स्टेट के मुखारविंद सम्मिलित रहेगा।

षठम सवारी 26 अगस्त 2024 को निकलेगी। इस दौरान पालकी में श्री चन्द्रमौलेश्वर, हाथी पर श्री मनमहेश, गरूड़ रथ पर शिवतांडव, नन्दी रथ पर उमा.महेश और डोल रथ पर होल्कर स्टेट के मुखारविंद के साथ श्री घटाटोप मुखोटा सम्मिलित रहेगा।

सप्तम सवारी 02 सितम्बर 2024 (प्रमुख व शाही सवारी) को निकलेगी। इस दौरान पालकी में श्री चन्द्रमौलेश्वर, हाथी पर श्री मनमहेश, गरूड़ रथ पर शिवतांडव, नन्दी रथ पर उमा.महेश और डोल रथ पर होल्कर स्टेट के मुखारविंद, श्री घटाटोप मुखोटा व श्री सप्तधान मुखारविंद सम्मिलित रहेगा।

# एक राष्ट्रीय संकट जिसे अनदेखा किया जा रहा है

**राकेश दुबे**

सरकार और सत्तारूढ़ दल विकास के कीर्तिमानों को लेकर कुछ भी कहें, यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि भारत धीरे-धीरे मधुमेह, हृदय रोग व मोटापे की राजधानी बनता जा रहा है। देश के हर चार में से एक व्यक्ति मोटापे व प्री-डायबिटिक स्थिति में पहुंच गया है।

यह संकट इसलिए बड़ा है कि किशोर व युवा भी इसके चपेट में आ रहे हैं। रात दिन मोबाइल-लेपटॉप में लगे रहने और शारीरिक श्रम से दूर पीढ़ी के लिए फास्ट फूड खासा घातक साबित हो रहा है। यही वजह है कि कई सर्वेक्षणों के निष्कर्ष व विशेषज्ञों की सिफारिश के बाद देश के विश्वविद्यालयों का नियमन करने वाली राष्ट्रीय संस्था विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने कॉलेजों को निर्देश दिये हैं कि कॉलेज की कैंटीन में पिज्जा,बर्गर और समोसे जैसे जंक फूड की बिक्री पर रोक लगाई जाए।

छात्रों में बढ़ते मोटापे और मोटापे से जनित अन्य रोगों की समस्या के मद्देनजर यूजीसी ने कहा है कि शैक्षणिक संस्थानों में स्वास्थ्य के लिये नुकसानदायक खाद्य पदार्थों की बिक्री पर तुरंत रोक लगायी जाए। निस्संदेह, नई पीढ़ी में जंक फूड को लेकर खासा क्रेज है, लेकिन युवाओं के स्वास्थ्य को लेकर कोई समझौता नहीं किया जा सकता। हाल के दिनों में युवाओं में मधुमेह, मोटापे व हृदय संबंधी विकार के मामले तेजी से बढ़े हैं।

कुछ माह पूर्व आयी आईसीएमआर की रिपोर्ट में भी चिंता जताई गई थी कि देश में तेजी से बढ़ रहे अल्ट्रा-प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों में वसा की अधिक मात्रा पायी जाती है। जो मोटापा बढ़ने का बड़ा कारण है। जो कालांतर हृदयाघात,डायबिटीज आदि गैर संक्रामक बीमारियों की वजह बनता है। आईसीएमआर ने अच्छे स्वास्थ्य को मानव के मौलिक विशेषाधिकार की संज्ञा दी है। दूसरी ओर मानव पोषण, महामारी विज्ञान, चिकित्सा शिक्षा, बाल रोग व सामुदायिक उपचार आदि के स्वतंत्र विशेषज्ञों के राष्ट्रीय थिंक टैंक एनएपीआई ने भी इसी प्रकार की चिंताएं जतायी हैं। एनएपीआई ने भी शैक्षणिक संस्थानों में अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थों पर तुरंत रोक लगाने की सलाह दी है। साथ ही कैंटीन में स्वस्थ खाद्य पदार्थों के विकल्प बढ़ाने पर जोर दिया है।

अब तो शिक्षण संस्थाओं के प्रबंधकों व शिक्षकों का दायित्व है कि कालेजों की कैंटीनों में स्वस्थ खाद्य पदार्थों के विकल्प उपलब्ध करायें। साथ ही छात्रों को इस दिशा में आगे बढ़ने को प्रेरित करें। निस्संदेह, केवल यूजीसी के निर्देशों से हालात बदलने वाले नहीं हैं। दरअसल, यूजीसी ने इस बाबत पहली बार दिशा-निर्देश नहीं दिये हैं। इससे पहले दस नवंबर 2016 तथा इक्कीस अगस्त 2018 को भी इसी तरह के परामर्श जारी किये गए थे। विडंबना यह है कि युवा पीढ़ी पाश्चात्य खानपान शैली का अंधानुकरण कर रही है।

किसी देश का खानपान उस देश की जलवायु तथा रोगों की आनुवंशिकता के आधार पर तय होता है। युवा पीढ़ी मौसमी फल, सब्जियों तथा परंपरागत खाद्य पदार्थों से परहेज कर रही है। सदियों से हमारे खानपान में उन तमाम खाद्य पदार्थों से परहेज किया गया, जो तामसिक प्रवृत्ति के हैं और त्रिदोष को बढ़ावा देने वाले हैं। सही मायने में हमारे खानपान में एसिड बढ़ाने वाले पदार्थों का बोलबाला है। जबकि हमें क्षारीय प्रवृत्ति वाले खाद्य पदार्थों का सेवन भी संतुलन के लिये करना चाहिए।

समय के साथ देश में संपन्नता आई है और समृद्ध खानपान की शैली विकसित हुई है, लेकिन विडंबना यह है कि हमारी जीवन शैली में श्रम की प्रधानता घटी है। श्रमशील व गतिशील व्यक्ति को सब कुछ हजम हो जाता है, लेकिन निष्क्रिय जीवन शैली मोटापे, मधुमेह व हृदय रोगों को बढ़ावा देती है। चिंता की बात यह है कि जो रोग पहले व्यक्ति को पचास साल के बाद होते थे, वे अब किशोरों व युवाओं को अपनी गिरफ्त में ले रहे हैं। हाल ही में एक प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय मैगजीन ने खुलासा किया था कि कैसे भारत में पचास फीसदी लोग सप्ताह में जरूरी व्यायाम व सैर तक नहीं करते। निश्चित रूप से यह एक राष्ट्रीय संकट का प्रश्न है। जिसके चलते आने वाले दिनों में देश गैर संक्रामक रोगों की राजधानी बनने की ओर अग्रसर है। शिक्षकों के साथ अभिभावकों को भी छात्रों को स्वस्थ खानपान के प्रति जागरूक करना होगा।

# केंद्र के बजट से मध्यप्रदेश को उम्मीद

मोदी 3.0 का पहला पूर्ण बजट 23 जुलाई को संसद में पेश होगा। इस बजट में मध्यप्रदेश को सिंहस्थ 2028 के आयोजन के लिए स्पेशल पैकेज मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा केन-बेतवा लिंक प्रोजेक्ट के लिए इस साल 2 हजार करोड़ रुपए मिल सकते हैं। डॉ. मोहन यादव सरकार ने अपने पहले बजट में 6 एक्सप्रेस-वे को प्राथमिकता से पूरा करने का ऐलान किया है। एक्सप्रेस वे के सभी प्रोजेक्ट पर अगले 5 साल में 65 हजार करोड़ रु. खर्च होंगे। केंद्र सरकार इसके लिए भी मदद दे सकती है। इसके अलावा केंद्र की सामाजिक सुरक्षा पेंशन के लिए 800 करोड़ रुपए अतिरिक्त मध्यप्रदेश को मिल सकते हैं। वित्त विभाग के सूत्रों का कहना है कि मध्यप्रदेश को केंद्र से 2024-25 में 95,750 करोड़ रुपए मिलने की उम्मीद है। पिछले वित्तीय वर्ष (2023-24) में 80,184 करोड़ रुपए दिए गए थे। इस साल 19त्न बढ़ोतरी की उम्मीद है। हस्तांतरण केंद्रीय करों में राज्य का हिस्सा है और इसका भुगतान केंद्र सरकार द्वारा मासिक आधार पर किया जाता है।

**सिंहस्थ 2028-18 हजार करोड़ खर्च करेगी मोहन सरकार**

उज्जैन में होने वाला सिंहस्थ महापर्व (27 मार्च 2028 से 27 मई 2028) के लिए मप्र की डॉ. मोहन सरकार 18 हजार करोड़ रुपए खर्च करेगी। इसके आयोजन से पहले उज्जैन-इंदौर संभाग को धार्मिक-आध्यात्मिक सर्किट के रूप में विकसित किया जाएगा। सरकार का अनुमान है कि सिंहस्थ मेले में 14 करोड़ से अधिक श्रद्धालु शामिल होंगे। जिनके लिए बुनियादी सुविधाएं बढ़ाने, शिप्रा शुद्धीकरण, सड़कों को ट्रैफिक जाम से मुक्त रखने और पर्यावरण सुधार को ध्यान में रखकर योजनाएं तैयार की गई है। मुख्यमंत्री मोहन यादव खुद इसकी मॉनिटरिंग कर रहे हैं। राज्य के बजट में सिंहस्थ के लिए 3 हजार करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। मंत्रालय सूत्रों का कहना है कि राज्य सरकार ने केंद्र से इस आयोजन के लिए 20 हजार करोड़ रुपए का स्पेशल पैकेज देने की मांग की है। इसमें से केंद्र सरकार 7-8 हजार करोड़ स्वीकृत कर सकती है। ये राशि मप्र सरकार को किस्तों में मिल सकती है।

**केन-बेतवा लिंक प्रोजेक्ट के लिए 2 हजार करोड़**

केन-बेतवा नदी जोड़ने के लिए केंद्र सरकार अगले वित्तीय वर्ष 2024-25 में 2 हजार करोड़ रुपए देगी। जबकि राज्य सरकार को 10 फीसदी राशि अपने बजट से खर्च करना होगी। पिछले साल आम बजट में केंद्र सरकार ने इस प्रोजेक्ट के लिए 3500 करोड़ रुपए का प्रावधान किया था, लेकिन इसे घटाकर 1400 करोड़ रुपए कर दिया। प्रोजेक्ट को इस साल शुरू करने की तैयारी है। पन्ना-छतरपुर की 5480 हेक्टेयर गैर-वन सरकारी जमीन हस्तांरित किए जाने की औपचारिकताएं पूरी हो चुकी है। राज्य सरकार नौरादेही- वन्यजीव अभयारण्य को प्रोजेक्ट टाइगर के अंतर्गत लाने की अनुमति पहले ही दे चुकी है। मंत्रालय सूत्रों ने बताया कि केन-बेतवा लिंक परियोजना पर कुल 46 हजार करोड़ रुपए खर्च होंगे।

**इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट: केंद्र से 6,592 करोड़ अतिरिक्त मिलेंगे**

इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट को बढ़ावा देने के लिए पूंजीगत कार्यों के लिए 2023-24 में केंद्र सरकार ने 60 हजार 689 करोड़ रुपए मप्र को दिए थे। इस बार इससे ज्यादा राशि उपलब्ध कराई जाने की संभावना है। विशेष केंद्रीय सहायता के अंतर्गत 10 हजार 910 करोड़ के प्रस्ताव मप्र की तरफ से भेजे गए थे। इसमें से 4 हजार 318 करोड़ रुपए की स्वीकृति पहले ही मिल चुकी है। लेकिन शेष राशि 6 हजार 592 करोड़ रुपए अब मिलेंगे। साथ ही भोपाल, इंदौर, जबलपुर और उज्जैन में बन रहे फ्लाई ओवर के लिए केंद्र सरकार इस साल 700 करोड़ रुपए दे सकती है।

**ऊर्जा के क्षेत्र में लोन की सीमा बहाल होने की उम्मीद**

राज्य शासन उदय योजना के तहत विद्युत वितरण कंपनियों के लोन 13 हजार 365 करोड़ की वसूली अब तक नहीं कर पाया है। यही वजह है कि केंद्र सरकार ने बिजली कंपनियों को बाजार से लोन लेने की सीमा को कम कर दिया है। राज्य सरकार ने अब इस लोन की सीमा बहाल करने की मांग वित्त मंत्रालय से कही है।

**सामाजिक सुरक्षा पेंशन: 858 करोड़ रुपए अतिरिक्त मिल सकते हैं**

इंदिरा राष्ट्रीय वृद्धावस्था, विधवा एवं निःशक्त जन पेंशन योजना के तहत केंद्र सरकार ने 2013-14 में पेंशनर्स की संख्या में स्टेट कैपिंग की गई है। लेकिन इसके बाद राज्य में पेंशनर्स की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। इससे राज्य सरकार पर 858 करोड़ रुपए का अतिरिक्त वित्तीय भार आ रहा है। ऐसे में राज्य सरकार को उम्मीद है कि केंद्र इस साल से पेंशन राशि को बढ़ाकर देगा।

**प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण): 9 लाख घरों के लिए मिलेगी राशि**

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मध्य प्रदेश में ग्रामीण इलाकों में 29 लाख मकान स्वीकृत हैं। इसमें से 7 लाख मकानों के लिए राशि मिल चुकी है। केंद्र के आम बजट में शेष 22 लाख में से 9 लाख मकान के लिए राशि उपलब्ध कराई जाएगी। जन-मन योजना के तहत आदिवासी जनजातियों के आवास बनाने के लिए 2 लाख रुपए प्रति हितग्राही दिए जाएंगे। अभी यह राशि 1 लाख 40 हजार रुपए है।

**पीएम मुद्रा लोन योजना**

स्वरोजगार उपलब्ध कराने के लिए केंद्र सरकार की पीएम मुद्रा लोन योजना के तहत राशि बढ़ाई गई है। मध्य प्रदेश के 12 लाख 56 हजार से अधिक हितग्राहियों को 3578 करोड़ रुपए का लोन दिया जा चुका है। अब नए लक्ष्य के लिए मप्र को ज्यादा लाभ मिल सकता है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

## लायसेंस शिविर

सूचित किया जाता है कि सीहोर जिले में स्थित समस्त शासकीय महाविद्यालय में लायसेंस शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शासकीय महाविद्यालय में निम्न दिनांकों में शिविर आयोजित किये जावेंगे -

| क्र. | महाविद्यालय का नाम | दिनांक |
|---|---|---|
| 1 | शासकीय महाविद्यालय, शाहगंज | 23/07/2024 |
| 2 | शासकीय महाविद्यालय, बकतरा | 24/07/2024 |
| 3 | शासकीय महाविद्यालय, इछावर | 25/07/2024 |
| 4 | शासकीय महाविद्यालय, बुधनी | 25/07/2024 |
| 5 | शासकीय कन्या महाविद्यालय, सीहोर | 26/07/2024 |
| 6 | शासकीय महाविद्यालय, रेहटी | 27/07/2024 |
| 7 | शासकीय महाविद्यालय, भैरूंदा | 29/07/2024 |
| 8 | शासकीय महाविद्यालय, डोबी | 29/07/2024 |
| 9 | शासकीय महाविद्यालय, लाडकुई | 29/07/2024 |
| 10 | चन्द्रशेखर आजा महाविद्यालय, सीहोर | 30/07/2024 |
| 11 | शासकीय महाविद्यालय जावर नगर | 30/07/2024 |
| 12 | शासकीय महाविद्यालय, आष्टा | 08/08/2024 |
| 13 | शासकीय महाविद्यालय, गोपालपुर | 08/08/2024 |

टीप :- लर्निंग लायसेंस हेतु ऑनलाईन 20 प्रश्नों में से 12 प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

आवश्यक दस्तावेज :- आधार कार्ड, आधार कार्ड से लिंक मोबाईल (ओटीपी हेतु)

| लायसेंस शुल्क :- | | |
|---|---|---|
| | महिला हेतु | :- निःशुल्क |
| | पुरूष हेतु दो पहिया वाहन | :- 225 रूपये |
| | चार पहिया वाहन | :- 225 रूपये |
| | दो पहिया एवं चार पहिया वाहन | :- 425 रूपये |

जिला परिवहन कार्यालय, जिला सीहोर


# इंदौर में 8 पटवारियों को सौंपा गया RI का प्रभार, कलेक्टर

इंदौर- इंदौर जिले में कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने प्रशासकीय कार्यसुविधा की दृष्टि से 8 पटवारियों को राजस्व निरीक्षक का प्रभार सौंपा है। इस संबंध में आदेश जारी कर दिये गये हैं। जारी आदेश के अनुसार जिन पटवारियों को राजस्व निरीक्षक का प्रभार दिया गया है, उनमें सर्व श्री कैलाश चौधरी, धर्मेन्द्र शर्मा, माखन चौधरी, अखिलेश पाठक, कुश बैरागी, कैलाश राठौर, लालसिंह जामले तथा श्री अमिताभ पारे शामिल है।

# मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना

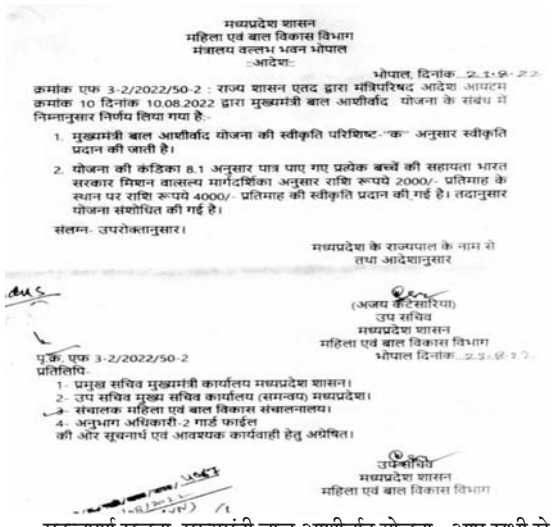


मध्यप्रदेश शासन
महिला एवं बाल विकास विभाग
मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल
::आदेश::

भोपाल, दिनांक 21.9.22

क्रमांक एफ 3-2/2022/50-2 : राज्य शासन एतद द्वारा मंत्रिपरिषद आदेश आयटम क्रमांक 10 दिनांक 10.08.2022 द्वारा मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना के संबंध में निम्नानुसार निर्णय लिया गया है:-

1. मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना की स्वीकृति परिशिष्ट-"क" अनुसार स्वीकृति प्रदान की जाती है।
2. योजना की कंडिका 8.1 अनुसार पात्र पाए गए प्रत्येक बच्चें की सहायता भारत सरकार मिशन वात्सल्य मार्गदर्शिका अनुसार राशि रूपये 2000/- प्रतिमाह के स्थान पर राशि रूपये 4000/- प्रतिमाह की स्वीकृति प्रदान की गई है। तदानुसार योजना संशोधित की गई है।

संलग्न- उपरोक्तानुसार।

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से
तथा आदेशानुसार

(अजय कटेसरिया)
उप सचिव
मध्यप्रदेश शासन
महिला एवं बाल विकास विभाग

पृ.क्र. एफ 3-2/2022/50-2
भोपाल दिनांक
प्रतिलिपि-
1- प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय मध्यप्रदेश शासन।
2- उप सचिव मुख्य सचिव कार्यालय (समन्वय) मध्यप्रदेश।
3- संचालक महिला एवं बाल विकास संचालनालय।
4- अनुभाग अधिकारी-2 गार्ड फाईल
की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु अग्रेषित।

उप सचिव
मध्यप्रदेश शासन
महिला एवं बाल विकास विभाग

महत्वपूर्ण सूचना मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना आप सभी से अनुरोध है कि कोई ऐसे बच्चे जिनके माता-पिता दोनों या उनके माता या पिता किसी एक कि मृत्यु 01 मार्च 2020 के बाद हो गई है और बच्चों कि उम्र 18 वर्ष से कम है, तो ऐसे परिवारों के दो बच्चों को प्रत्येक को 4000/= प्रतिमाह मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के अंतर्गत मिलेगा। ज्यादा से ज्यादा लोगों को इसका लाभ दिलाये। फार्म भरकर कार्यालय जिला बाल संरक्षण इकाई/जिला प्रोबेशन अधिकारी कार्यालय में जमा कराये। इस पुण्य कार्य मे भागी बने ! सभी लोगो से अनुरोध है कि यह फार्म कम से कम 10 - 10 लोगो को भेजिये, सबको जानकारी देकर किसी बच्चे को लाभ दिलाया जा सकता है।

# श्रावण मास भोजपुर मंदिर भगवान भोलेनाथ सावन के महीने में भक्तों की हर मनोकामना पूरी करते हैं

रायसेन। सावन का महीने में भगवान भोलेनाथ की भक्ति में लीन भक्त बड़ी संख्या में पहुंचते हैं भोजपुर मंदिर और भगवान भोलेनाथ का करते हैं जलाभिषेक और चढ़ाते ह बेलपत्र और दूध,भगवान भोलेनाथ भी भक्तों की हर मनोकामना को करते हैं पूरी। रायसेन जिले के विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक भोजपुर मंदिर में सावन के महीने में भक्तों का भगवान के दर्शन करने के लिए तांता लगा रहता है यहां बड़ी दूर दूर से भक्त बाबा भोलेनाथ के दर्शन करने पहुंचते हैं तो वही सावन के महीने में भगवान भोलेनाथ को दूध और बेलपत्र चढ़ाने और जलाभिषेक करने से भक्तों की हर मनोकामना पूरी होती है।आपको बता दें कि भोपाल से 30 किलोमीटर की दूरी पर और रायसेन जिला मुख्यालय से लगभग 80 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है भगवान भोलेनाथ का दुनिया का सबसे बड़ा विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक शिव मंदिर यहां बाबा के दर्शन करने मात्र से भक्तों की हर मनोकामना पूरी हो जाती है बताया जाता है कि यह मंदिर पांडव कालीन है और पांडवों द्वारा इस मंदिर का निर्माण एक ही रात में कराया गया था ताकि माता कुंती भगवान भोलेनाथ को जल अर्पण करके भोजन कर सकें किवदंती के अनुसार इस मंदिर को ओरंगजेब ने तोड़ने की कोशिश की थी लेकिन पूरी तरह नही तोड़ सका फिर धार के राजा भोज ने इस मंदिर का जीर्णोद्धार कराया था कहा जाता है कि देवों के देव महादेव भगवान भोलेनाथ को सावन के महीने में जलाभिषेक करने और बेलपत्र चढ़ाने से भक्तों की हर मनोकामना पूर्ण हो जाती है।

# विद्या निकेतन स्कूल में मनाया गया गुरु पूर्णिमा दिवस

छतरपुर। पूरे देश के साथ-साथ छतरपुर शहर के लोकनाथपुरम स्थित विद्या निकेतन स्कूल में गुरु पूर्णिमा उत्सव श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों ने अपने माता पिता एवं गुरूजनों का पूजन किया तथा उनकी आरती उतारी तत्पश्चात सभी को फल एवं मिठाई खिलाई गई। विद्या निकेतन स्कूल की संचालिका श्रीमती निकिता अग्रवाल ने बताया कि शहर का यह पहला ऐसा स्कूल है जहां बच्चों को प्रारंभ से ही स्कूली शिक्षा के साथ-साथ भारतीय संस्कृति से जोडने की शिक्षा दी जाती है क्योंकि आज आधुनिकता की दौड़ में रिस्ते पीछे छूटते जा रहे हैं ऐसे में इस तरह के कार्यक्रमों के माध्यम से हम बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ संस्कारवान भी बना रहे हैं। आज गुरूपूर्णिमा पर बच्चों ने अपने प्रथम गुरू माता-पिता के पैर धोये तथा उन्हें टीका चंदन लगाकर उनके ऊपर पुष्पवर्षा की एवं आरती उतारकर उनका आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर बच्चों के माता-पिता के अलावा विद्यालय का समूचा स्टाफ मौजूद रहा।

# धरती मां के श्रृंगार के लिए वृक्षारोपण के अलावा विकल्प नहीं-राजेन्द्र शुक्ल

## रामवन में रोपे गये 2500 से अधिक पौधे

**भोपाल।** उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि धरती मां के श्रृंगार के लिए वृक्षारोपण के अलावा कोई विकल्प नहीं है। वृक्ष है तो प्राण वायु है, जीवन है, पर्यावरण संरक्षण और संतुलन के लिए वृक्षों का दोहन किया जाना चाहिए, उनका शोषण नहीं होना चाहिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल रविवार को सतना जिले के सुप्रसिद्ध स्थल रामवन में मानस संघ और ग्राम पंचायत मतहा द्वारा आयोजित हरियाली महोत्सव के तहत ढाई हजार पौधों के रोपण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सांसद श्री गणेश सिंह ने की। इस अवसर पर विधायक रामपुर बघेलान विक्रम सिंह, विधायक चित्रकूट सुरेन्द्र सिंह गहरवार, महापौर योगेश ताम्रकार,सहित बडी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि रामवन में प्रवेश करते ही एक सुखद अनुभूति होती है। भगवान राम अपने वनवास काल में इस धरा से गुजरे होंगे। गुरू पूर्णिमा के अवसर पर धार्मिक स्थल रामवन में वृक्षारोपण का पवित्र कार्य हो रहा है। उन्होंने कहा कि भगवान के स्थान की चमक बढ़ने से पूरे इलाके और क्षेत्र का विकास और चमक बढ़ती हे। रीवा का रानी तालाब का सौदर्यीकरण इसका उदाहरण है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि वृक्षा रोपण से धार्मिक स्थान का सौंदर्यीकरण और श्रृंगार के साथ ही पर्यावरण का संवर्धन भी हो रहा है। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने प्रत्येक देशवासी से एक पेड मां के नाम लगाने का आव्हान किया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इसी क्रम में पूरे प्रदेश में साढ़े 5 करोड वृक्ष लगाने का संकल्प लिया है। अकेले सरकार इतनी बड़ी संख्या में पेड़ नहीं लगा सकती। हर देशवासी, प्रदेशवासी को पौधे लगाने और उसके संरक्षण करने का संकल्प पूरा करना होगा। ताकि तीन साल में पौधा वृक्ष बनकर हमें फल और आशीर्वाद देगा। श्री शुक्ल ने कहा कि जो वृक्ष है वे संत है और जो संत है, वे चलते फिरते वृक्ष है। संत और वृक्ष समाज से कुछ अपेक्षा नहीं रखते, बल्कि हमें कुछ न कुछ देते हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सांसद गणेश सिंह ने कहा कि जलवायु परिवर्तन आज देश ही नहीं पूरी दुनिया की समस्या बनती जा रही है। देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पर्यावरण के संतुलन के लिए एक पेड मां के नाम लगाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में सबसे बडे भू-भाग 65 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में भारत देश में वृक्षारोपण हुआ है। हर व्यक्ति की भागीदारी पर्यावरण संरक्षण में होनी चाहिए। हरियाली महोत्सव के आयोजन की सराहना करते हुए सांसद ने जिले वासियों से अपील की कि घर में, बगीचे में, खेत, खलिहान, पंचायत भवन कहीं भी सुरक्षित जगह पर एक पेड मां के नाम जरूर लगाये और उसका पालन-पोषण अपने बच्चों की तरह करते हुए वृक्ष का रूप दें।

मानस संघ रामवन के अध्यश श्री प्रताप सिंह ने बताया कि प्रसिद्ध स्थल रामवन में मानस संघ और ग्राम पंचायत मतहा के तत्वाधान में हरियाली महोत्सव में ढाई हजार पौधे एक साथ लगाये गये हैं। जिनमें रीवा की श्रीमती मीना बंसल ने अपने पति की स्मृति में 500 पौधे संरक्षित करने 2 लाख रूपये तथा सतना के मेहरोत्रा बिल्डिकान के अतुल मेहरोत्रा के पुत्र ने अपनी मां की स्मृति में 500 पौधे संरक्षित करने 2 लाख रूपये का योगदान किया है। कार्यक्रम का शुभारंभ उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने दीप प्रज्जवलन कर किया और कार्यक्रम समापन पश्चात रामवन के मेला ग्राउण्ड के दूसरी ओर आयोजित वृक्षा रोपण कार्यक्रम में उपस्थित जनों ने एक-एक पौधे का रोपण किया।

# मौसम के बदलते चक्र और प्रदूषण को नियंत्रित करने में सहायक हैं वृक्षः उप-मुख्यमंत्री

## एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत किया वृक्षारोपण

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने जिला प्रशासन एवं कल्पना कल्याण समिति के तत्वाधान में आयोजित ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ अभियान में शा. पिछड़ावर्ग पोस्ट मैट्रिक बालक छात्रावास रीवा में पौधरोपण किया। उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि वृक्षारोपण जैसे पुनीत कार्य में सभी भागीदार बनें। उन्होंने कहा कि वृक्ष आने वाली पीढ़ी को मौसम के बदलते चक्र एवं प्रदूषण को नियंत्रित रखने में सहायक हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में साढ़े पांच करोड़ से अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसे जन आन्दोलन बनाये तथा पौधे लगाकर उसे संरक्षित करें। जब यह पौधे बड़े होंगे तो हमें उस पर संतुष्टि व गर्व होगा। उन्होंने कल्पना कल्याण समिति द्वारा जनहित में किये जा रहे कार्यों की सराहना की। श्री शुक्ल ने छात्रावास का भ्रमण किया तथा भवन निर्माण कार्य के रूके हुए कार्य को तत्काल प्रारंभ करने के निर्देश दिये। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती माया सिंह, पूर्व महापौर श्री राजेन्द्र ताम्रकार सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, जन अभियान परिषद के सदस्य, स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने ÷एक पेड़ मां के नाम अभियान÷ के अंतर्गत मैहर जिले के ग्राम खेरवासानी अमदरा में पौधारोपण किया। विधायक मैहर श्री श्रीकांत चतुर्वेदी, सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

# गुरू से प्राप्त ज्ञान से जीवन की चुनौतियों का सामना करने का सामर्थ्य प्राप्त होता है- उप-मुख्यमंत्री

## गुरू पूर्णिमा महोत्सव में गुरूजनों का हुआ सम्मान

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि गुरू के बिना ज्ञान प्राप्त नहीं होता। गुरू से प्राप्त ज्ञान से ही जीवन की चुनौतियों का सामना करने का सामर्थ्य प्राप्त होता है। समाज में मान-सम्मान व प्रतिष्ठा प्राप्त होती है। उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि समर्पण व आस्था भाव से गुरू का सम्मान करें। गुरूओं के प्रति कृतज्ञता के भाव होने चाहिए। उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय रीवा में गुरू पूर्णिमा महोत्सव में शामिल हुए।




उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि आज का दिन महत्वपूर्ण है जब हम गुरूओं का सम्मान करते हुए स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने संकल्प लिया है कि सभी शिक्षण संस्थानों में गुरू पूर्णिमा पर गुरूजन का सम्मान किया जाय और गुरुजन के द्वारा दिये गये मार्गदर्शन के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की जाये। उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने छात्रों से आदर्श नागरिक बनकर पूर्ण जिम्मेदारी से भारत की संस्कृति को आगे बढ़ाने का आह्वान किया तथा स्वामी विवेकानंद के आदर्श पर चलने की बात कही। उप मुख्यमंत्री ने कॉलेज परिसर में वृक्षारोपण भी किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्यों एवं सेवानिवृत्त प्राध्यापकों का सम्मान किया गया।

# उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल के प्रयासों से हिनौती में 1 हज़ार 303 एकड़ में विकसित हो रहा है गौवंश वन्य विहार



भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल बेसहारा गौवंशों के संरक्षण के लिए हमेशा से ही चिंतित रहें हैं। रीवा शहर में बेसहारा घूमने वाले गौवंशों को संरक्षण देने के लिए उन्होंने सर्वप्रथम लक्ष्मणबाग में गौशाला का निर्माण करवाया। श्री शुक्ल की मंशा थी कि जिले के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक गौवंश वन्य विहार की स्थापना हो जहां बेसहारा गौवंशों को संरक्षण मिल सके। इसी परिप्रेक्ष्य में बसामन मामा में गौवंश वन्य विहार की स्थापना पूर्व में की गयी जहां बड़ी संख्या में बेसहारा गौवंशों को संरक्षण मिल रहा है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल के ही प्रयासों से गंगेव जनपद पंचायत के हिनौती ग्राम में 1 करोड़ 47 लाख रूपये की लागत से 1 हज़ार 303 एकड़ में गौवंश वन्य विहार विकसित किया जा रहा है। उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल 22 जुलाई को प्रातः 11 बजे गौवंश वन्य विहार हिनौती में विभिन्न कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण करेंगे। हिनौती गौवंश वन्य विहार को बसामन मामा गौवंश वन्य विहार की तरह ही विकसित किया जायेगा। हिनौती गौवंश वन्य विहार में 65 लाख 64 हज़ार रूपये की लागत से बनाये गये दो गौ-शेड का लोकार्पण और 30 लाख 42 हज़ार रूपये की लागत से 2 गौ-विश्राम सड़क, 21 लाख 92 हज़ार रूपये की लागत से चारागाह क्षेत्र की तार फेंसिंग, 15 लाख 16 हज़ार रूपये की लागत से 2 हेक्टेयर क्षेत्र में चारागाह विकास तथा 4 लाख रूपये लागत के सामुदायिक स्वच्छता परिसर का शिलान्यास उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल द्वारा किया जायेगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल की मंशा है कि सभी गौवंश वन्य विहार आत्मनिर्भर हो और वहां पोषण वाटिका विकास, एकीकृत कृषि व आजीविका संस्थान बने तथा स्वसहायता समूहों को कार्य मिले। इसी क्रम में हिनौती गौवंश वन्य विहार में 6 नग गौशाला शेड, एक प्रशासनिक भवन व पशु चिकित्सालय, 500 मीटर पीसीसी रोड़ बनाकर पेवर ब्लाक लगाने, सामुदायिक स्वच्छता परिसर का निर्माण, यज्ञ शाला निर्माण तथा उन्नत पशु नस्ल सुधार प्रजनन केन्द्र के अतिरिक्त एकीकृत कृषि व आजीविका संस्थान तथा मियावाकी वृक्षारोपण एवं पोषण वाटिका विकास के कार्य आगामी दिनों में कराये जायेंगे।

# धीरेंद्र शास्त्री का दुकानदारों को अल्टीमेटम, बोले- 10 दिन में दुकान के बाहर नेम प्लेट टांग दें, नहीं तो....

पंडित धीरेन्द्र शास्त्री ने कहा है कि आप जो हो, दुकान के बाहर नेम प्लेट में टांग दो, ताकि आने वाले श्रद्धालुओं का धर्म भ्रष्ट न हो। हमारी आज्ञा है बागेश्वर धाम के सभी दुकानदार 10 दिन के अंदर नेम प्लेट लगवा लें।दुकानों के बाहर नेम प्लेट लगाने के फैसले से पूरे देश में तीखी बहस छिड़ी है। कुछ लोग इस आदेश की सराहना कर रहे हैं तो कुछ इस फैसले को तर्कहीन बता रहे है। वहीं अब बागेश्वर धाम के दुकानदारों को धीरेंद्र शास्त्री ने बड़ी चेतावनी दी है। शास्त्री ने कहा कि 10 दिन के अंदर सभी अपनी दुकानों पर नेम प्लेट लगवा लें, नहीं तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नेम प्लेट लगाने के निर्देश को लेकर देशभर में सियासत जारी है। बता दें, कुछ दिन पहले यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने श्रावण महीने में कांवड़ यात्रा रूट पर आने वाली दुकानों के लिए दुकानदारों को अपना नाम और डिटेल लिखने के आदेश दिए हैं। अब बागेश्वर धाम के पं. धीरेंद्र शास्त्री ने भी धाम पर दुकान लगाने वाले दुकानदारों को अल्टीमेटम दिया है।

धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि आप दुकान के बाहर नेम प्लेट लगा दें, ताकि आने वाले श्रद्धालुओं का धर्म भ्रष्ट न हो। बागेश्वर धाम के सभी दुकानदार 10 दिन के अंदर नेम प्लेट लगवा लें। अगर 10 दिन के अंदर दुकानदार नेम प्लेट नहीं लगवाते है तो उनपर कार्रवाई की जाएगी। दुकानों के बाहर नेम प्लेट जरूर लगाएं, जिससे पता चल सके कि राम वाले हैं या रहमान वाले। हमें न राम वालों से दिक्कत है, न रहमान वालों से। हमें दिक्कत है कालनेमियों से, नाम बताने में कोई दिक्कत नहीं है।

# अब उज्जैन में भी दुकानदार लगाएंगे नाम की तख्ती: मेयर ने दिया आदेश, कहा- ये ग्राहकों का अधिकार

भोपाल। उज्जैन नगर निगम ने शनिवार को दुकान मालिकों को अपनी दुकानों के बाहर अपना नाम और मोबाइल नंबर की प्लेट लगाने का निर्देश दिया है. यह निर्देश उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार की ओर से कांवड़ यात्रा रूट पर दुकानदारों और ठेले वालों को अपनी दुकानों और ठेलों पर नेमप्लेट लगाने के आदेश के बाद आया है.

**पहली बार 2000, दूसरी बार में लगेगा 5000 का जुर्माना**ः उज्जैन के मेयर मुकेश ततवाल ने कहा कि उल्लंघन करने वालों को पहली बार इस आदेश का उल्लंघन करने पर 2,000 रुपये और दूसरी बार 5,000 रुपये का जुर्माना देना होगा. मेयर ने कहा, 'इस आदेश का उद्देश्य सुरक्षा और पारदर्शिता सुनिश्चित करना है. इसका उद्देश्य मुस्लिम दुकानदारों को निशाना बनाना नहीं है.'

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव का गृहनगर उज्जैन अपने पवित्र महाकाल मंदिर के लिए जाना जाता है. दुनियाभर से शिवभक्त यहां महाकाल के दर्शन के लिए आते हैं. सोमवार से शुरू होने वाले सावन महीने के दौरान यहां श्रद्धालुओं की अच्छी खासी भीड़ देखी जाती है.

**2002 में प्रस्ताव को दे दी थी मंजूरी**ः ततवाल ने कहा कि उज्जैन की मेयर-इन-काउंसिल ने 26 सितंबर, 2002 को दुकानदारों को अपना नाम प्रदर्शित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी. बाद में इसे आपत्तियों और औपचारिकताओं के लिए राज्य सरकार को भेज दिया गया था.

न्यूज एजेंसी से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'सभी औपचारिकताएं पहले ही पूरी हो चुकी हैं. कार्यान्वयन में देरी हुई क्योंकि नेमप्लेट को शुरू में एक ही आकार और रंग का होना था. अब, हमने इन शर्तों में ढील दे दी है. दुकानदारों के नाम और मोबाइल नंबर प्रदर्शित करना अब पर्याप्त होगा.'

**'ग्राहक को दुकानदार के बारे में जानने का अधिकार'**ः उन्होंने जोर देकर कहा कि यह कदम एमपी दुकान स्थापना अधिनियम या गुमास्ता लाइसेंस में निहित है और यह ग्राहक सुरक्षा को बढ़ाने का काम करता है. मेयर ने कहा, 'उज्जैन एक धार्मिक और पवित्र शहर है. लोग यहां धार्मिक आस्था के साथ आते हैं. उन्हें उस दुकानदार के बारे में जानने का अधिकार है जिसकी वे सामान खरीद रहे हैं. अगर कोई ग्राहक असंतुष्ट है या उसे धोखा दिया गया है तो दुकानदार के बारे में जानकारी होने से उसकी समस्या हल हो सकती है.' यह आदेश इसलिए भी अहम है क्योंकि उज्जैन 2028 में सिंहस्थ (कुंभ) मेले की मेजबानी करने के लिए तैयार है. यह हर 12 साल में आयोजित होने वाला एक महत्वपूर्ण धार्मिक मेला है.

**हरिद्वार में भी दुकानदारों को लगानी होगी नेमप्लेट**ः कांवड़ यात्रा रूट पर दुकानों को लेकर योगी सरकार के फरमान की तर्ज पर अब उत्तराखंड सरकार ने भी कुछ इसी तरह का फैसला किया है. विशेष तौर से हरिद्वार में प्रशासन ने रेहड़ी-पटरी वालों और दुकानदारों को कहा है कि वो अपना नाम, मोबाइल नंबर आदि लिखकर तख्ती लगाएं और जो ऐसा नहीं करेगा उसकी दुकान कांवड़ रूट से हटवा दी जाएगी.



हरिद्वार के एसएसपी ने कहा, 'ऐसे सभी लोगों को जो होटल ढाबे का संचालन करते हैं या फिर रेहड़ी-ठेली लगाते हैं उनको आदेशित किया गया है कि वे अपने-अपने प्रतिष्ठान पर प्रोपराइटर का नाम, क्यूआर कोड और मोबाइल नंबर लिखकर आवश्यक रूप से लगाएं. जो व्यक्ति ऐसा नहीं करेगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी.'

**यूपी में सबसे पहले जारी हुआ आदेश**ः बीते दिनों उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने कांवड़ रूट के दुकानों-ठेले वालों के लिए एक आदेश जारी किया था. आदेश में कहा गया है कि सभी दुकानों, ठेलों पर अपना नाम लिखें जिससे कांवड़ यात्री जान सके कि वो किस दुकान से सामान खरीद रहे हैं. मुख्यमंत्री कार्यालय ने कहा है कि पूरे उत्तर प्रदेश में कांवड़ मार्गों पर खाने पीने की दुकानों पर 'नेमप्लेट' लगानी होगी और दुकानों पर संचालक मालिक का नाम और पहचान लिखना होगा. सीएमओ के मुताबिक, कांवड़ यात्रियों की आस्था की शुचिता बनाए रखने के लिए यह फैसला लिया गया है और हलाल सर्टिफिकेशन वाले प्रोडक्ट बेचनेवालों पर भी कार्रवाई होगी.

**बिहार में दुकानदारों ने स्वेच्छा से लगाई नेमप्लेट**ः वहीं बिहार के बोधगया के महाबोधि मंदिर में भी सावन महीने में हजारों कांवड़िये श्रद्धालु बोधगया आते हैं. इसी को देखते हुए बोधगया के स्थानीय दुकानदारों ने एक पहल की है. बोधगया के हिंदू और मुस्लिम दुकानदारों ने अपनी स्वेच्छा से फल की दुकानों के आगे अपनी नेमप्लेट लगा रखी है.

## सोशल मीडिया से

# इन्फ्रास्ट्रक्चर किंग अदाणी का साथ मिला, तो मजबूत हुई एलआईसी और एसबीआई

भारत की सबसे बड़ी बीमा कंपनी एलआईसी और भारत के सबसे बड़े बैंक एसबीआई के शेयर्स अपने प्रतिद्वंद्वियों से बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं

पिछले एक साल में एलआईसी के शेयर में 61त्न की तेजी आई है। इसकी तुलना में, एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस और एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस इसी अवधि के दौरान केवल -10त्न से 13त्न के रिटर्न के साथ काफी पीछे रह गए हैं। इसी तरह, इन्फ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में अपने हाई इन्वेस्टमेंट के कारण एसबीआई के स्टॉक में 48त्न की बढ़ोतरी हुई है, जबकि इसके प्रतिद्वंद्वियों एचडीएफसी बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और एक्सिस बैंक के स्टॉक में सिर्फ -3त्न से 24त्न की बढ़ोतरी हुई है। इन्फ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में कोई भी निवेश नहीं करने से कोटेक और एचडीएफसी बैंक सबसे खराब प्रदर्शन कर रहे हैं और उनके शेयर्स सिर्फ -4त्न और 1त्न रिटर्न दे रहे हैं।

पिछले साल ही शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के आने के बाद एलआईसी और एसबीआई सेबी के जाँच के दायरे में आ गए थे। इस जाँच ने उनके अदाणी समूह की कंपनियों में निवेश के फैसले पर सवाल उठाए थे। हालाँकि, एक साल बाद एक पूरी तरह से अलग कहानी

सामने आई। हिंडनबर्ग मामले में सुप्रीम कोर्ट से अदाणी समूह को क्लीन चिट तो मिली ही, साथ ही बीमा कंपनी ने अदाणी समूह की कंपनियों में अपने निवेश पर 60त्न से अधिक का लाभ या 3 बिलियन अमेरिकी डॉलर कमाया। इसी तरह, रिटेल लोन पर ज्यादा ध्यान और इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र को नजरअंदाज करना एचडीएफसी बैंक और कोटेक बैंक के शेयरधारकों पर भारी पड़ा और इससे उन्हें काफी नुकसान हो रहा है। यह एक बड़ी विफलता है, जहाँ इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में भारतीय बीमा कंपनियों और बैंकों ने अभी तक भारत के ऐतिहासिक विकास का लाभ नहीं उठाया है। ये लंबे समय से कैपिटल एलोकेशन में यह रणनीतिक बदलाव नहीं कर पा रहे हैं और इसका खामियाजा शेयरधारक ही नहीं, बल्कि बीमा कंपनियों के पॉलिसीधारक भी उठा रहे हैं।

भारतीय बीमा कंपनियों ने बीएफएसआई, आईटी और उपभोक्ता क्षेत्रों में निवेश केंद्रित किया है, ये सभी हाल के दिनों में खराब प्रदर्शन वाले रहे हैं। उनका सिर्फ 8-14त्न निवेश इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में है।

## 297 नगरीय निकायों ने नहीं चुकाया 62.55 करोड़ रुपए का बिजली बिल, वसूली को लेकर बिजली कंपनियां और निकाय आमने-सामने

**भोपाल।** बकाया बिलों की वसूली को लेकर नगरीय निकाय और बिजली कंपनियां आमने-सामने आ गई है। प्रदेश के 297 नगरीय निकायों ने बिजली बिलों की बकाया 62 करोड़ 55 लाख रुपए की राशि नहीं चुकाई है। कंपनियों ने तकादा किया तो अब चुंगी क्षतिपूर्ति की राशि से इसका समायोजन किया जा रहा है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी भोपाल के अंतर्गत 80 निकायों ने 20 करोड़ 1 लाख 89 हजार 81 रुपए के बिलों का भुगतान नहीं किया है। वहीं मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी जबलपुर के अंतर्गत आने वाले 117 निकायों ने 9 करोड़ 79 लाख 30 हजार 831 रुपए का बिल भुगतान नहीं किया है। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के क्षेत्राधिकार के 100 निकायों ने 32 करोड़ 73 लाख 80 हजार 88 रुपए का बकाया बिजली बिल नहीं भरा है। बिजली कंपनियों ने बकाया वसूली के लिए नगरीय प्रशासन विभाग को नोटिस थमाया तो अब नगरीय प्रशासन विभाग ने चुंगी क्षतिपूर्ति की राशि में से इन बकाया बिलों का समायोजन करने और इसकी जानकारी निकायों और नगरीय विकास एवं आवास संचालनालय को भेजने को कहा है।

नगरीय निकाय अक्सर स्ट्रीट लाईट और अपने वार्ड तथा निगम कार्यालयों में बिजली का भरपूर उपयोग करते है और जब वहां भारी भरकम बिल आ जाते है तो उनका समय पर भुगतान नहीं करते है। भुगतान न करने के कारण कई बार ऐसी स्थिति भी आ जाती है कि बिजली कंपनियां उनके कनेक्शन काटने पहुंच जाती है। फिर निकायों और बिजली कंपनियों के बीच लंबे पत्रों का आदान प्रदान चलता रहता है।

## वीएल इंफ्रा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड का आईपीओ 23 जुलाई, को खुलेगा

मुंबई, एजेंसी। जल आपूर्ति और सीवरेज इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स पूरा करने में सुविज्ञता रखने वाली, वीएल इंफ्रा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड ने 23 जुलाई 2024 को इनिशियल पब्लिक आफरिंग (आईपीओ) के साथ पब्लिक में जाने की अपनी योजना की घोषणा की है. कंपनी का इरादा इस आईपीओ के मार्फत अपर बैंड पर 18.52 करोड़ एकत्र करने का है. कंपनी के शेयर्स सेट एनएसई इमर्ज प्लेटफार्म पर लिस्ट होंगे.इश्यू साइज़ ?10 प्रत्येक सम भाव पर 44,10,000 इक्विटी शेयर्स तक है.आईपीओ से प्राप्त होने वाली शुद्ध धनराशि का उपयोग कार्यशील पूंजी की ज़रूरतें पूरी करने और आम कॉर्पोरेट कार्यों के लिए किया जाएगा. एंकर पोर्शन की बिडिंग 22 जुलाई, 2024 को खुलेगी, सभी अन्य श्रेणी के अभिदान के लिए इश्यू 23 जुलाई, 2024 को खुलेगा और 25 जुलाई, 2024 को बंद होगा. इश्यू की बुक रनिंग लीड मैनेजर बीलाइन कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड है.. इश्यू की रजिस्ट्रार स्काईलाइन फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड है.वीएल इंफ्रा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री राजद्यगोपाल रेड्डी अन्नाम रेड्डी ने कहा, वीएल इंफ्रा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड ने अपनी परिचालन क्षमता बढ़ाने और जल इंफ्रास्ट्रक्चर और सिंचाई परियोजनाओं में विस्तार करने के लिए अपने आईपीओ की घोषणा की है.

## च्वाइस इंटरनेशनल लिमिटेड का पहली तिमाही में राजस्व 48 प्रतिशत बढ़कर 206 करोड़ हुआ

**मुंबई, एजेंसी।** भारत भर में संचालित अग्रणी वित्तीय सेवा कंपनियों में से एक च्वाइस इंटरनेशनल लिमिटेड, (सीआइएल, च्वाइस या कंपनी) ने 30 जून, 2024 को समाप्त तिमाही के लिए अपने परिणामों की घोषणा की है। वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही में कुल राजस्व 48 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 205.9 करोड़ रुपये बनाम 139.3 करोड़ रुपये रहा। इबीआइटीडीए 55 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 58.2 करोड़ रुपये बनाम 37.6 करोड़ रुपये रहा, और इबीआइटीडीए मार्जिन 28.27 प्रतिशत बनाम 26.99 प्रतिशत रहा। पीएटी 51 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 32.0 करोड़ रुपये बनाम 21.3 करोड़ रुपये रहा, और पीएटी मार्जिन 15.54 प्रतिशत बनाम 15.29 प्रतिशत रहा। राजस्व योगदान में ब्रोकिंग और डिस्ट्रीब्यूशन द्वारा 67 प्रतिशत, एडवाइजरी द्वारा 21 प्रतिशत और एनबीएफसी द्वारा 12 प्रतिशत रहा। वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही में, डीमैट खातों की संख्या 23 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 890,000 रही। स्टॉक ब्रोकिंग के लिए एयूएम 41.3 हजार करोड़ रहा, जो साल दर साल 28 प्रतिशत की चौंका देने वाली वृद्धि है।

## ओला इलेक्ट्रिक ने अपने एस1 पोर्टफोलियो पर आकर्षक डील्स पेश कीं

**मुंबई, एजेंसी।** ओला इलेक्ट्रिक अपने ओला एस1 स्कूटरों की खरीद पर 25,000 रुपये तक के आकर्षक बेनेफ़िट्स प्रदान कर रहा है। 22 जुलाई तक लागू इन ऑफ़रों में एस1 एक्स.पर 10,000 रुपये और एस1 प्रो एवं एस1 एयर पर 5,000 रुपये का फ्लैट डिस्काउंट दिया जा रहा है। इसके अलावा कंपनी चुनिंदा क्रेडिट कार्ड ईएमआई पर ग्राहकों को 5,000 रुपये तक का अतिरिक्त डिस्काउंट भी दे रही है। इन ऑफ़रों के अलावा ग्राहकों को ईएमपीएस 2024 के अंतर्गत 10,000 रुपये की सब्सिडी भी मिलेगी। इन आकर्षक ऑफ़रों का लाभ उठाने के लिए ग्राहकों को कीमतें बढ़ने से पहले ओला इलेक्ट्रिक स्कूटर खरीदकर उसे रजिस्टर कराना होगा। ओला इलेक्ट्रिक एक विशाल एस1 पोर्टफोलियो पेश करता है, जिसमें आकर्षक मूल्य में छः उत्पाद हैं, जो विभिन्न रेंज की जरूरत वाले ग्राहकों को सेवाएं प्रदान करते हैं। हाल ही में कंपनी ने मास-मार्केट सेगमेंट में अपना एस1 एक्स पोर्टफोलियो उतारा है। तीन बैटरी कॉन्फ़िगुरेशन (2 किलोवॉटघंटा, 3 किलोवॉटघंटा, और 4 किलोवॉटघंटा) के साथ इन स्कूटरों का मूल्य क्रमशः 74,999 रुपये; 85,999 रुपये और 97,499 रुपये है।

## स्टैंडर्ड कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड ने पैसालो डिजिटल में बड़ा निवेश किया

नई दिल्ली, एजेंसी। स्टैंडर्ड कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड (बीएसईः 511700), एक अग्रणी एनबीएफसी जो वैकल्पिक वित्तीय सेवाएं प्रदान करती है और सभी के लिए वित्तीय पहुंच और विकास को बढ़ावा देती है, यह घोषणा की कि एससीएमएल ने पैसालो डिजिटल लिमिटेड के साथ हाथ मिलाया है। पैसालो डिजिटल ग्रामीण भारत में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए समर्पित एक अग्रणी वित्तीय सेवा कंपनी है। यह निवेश एससीएमएल की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है जो वित्तीय अंतर को पाटने और कम सेवा वाले क्षेत्रों में आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए नवीन समाधानों को उन्नत करता है। एससीएमएल का निवेश पैसालो डिजिटल को अपनी पहुंच और प्रभाव का विस्तार करने में सक्षम बनाएगा, जिससे अधिक ग्रामीण समुदायों को आवश्यक वित्तीय सेवाओं तक पहुंच प्रदान की जा सकेगी। प्रौद्योगिकी और नवाचार में एससीएमएल की विशेषज्ञता का लाभ उठाते हुए, पैसालो डिजिटल अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म को बेहतर बनाएगा, जिससे सेवा वितरण सुचारू और कुशल होगा। इस सहयोग में संभावित रूप से अधिक लक्षित और प्रतिस्पर्धी उत्पादों की पेशकश भी शामिल है, जिसमें उधारकर्ताओं के लिए अधिक लचीले ऋण मानदंड शामिल हैं।

# केंद्र सरकार , बजट में बुजुर्गों को रेल यात्रा की टिकट पर पुनः रियायत देगी ?

### मार्च 2020 से बंद है ,बुजुर्गों की रेलयात्रा टिकिट में रियायत

सांध्य प्रकाश समाचार, नर्मदापुरम//लोकसभा चुनाव के बाद मोदी सरकार पहला आम बजट 23 जुलाई को पेश करने जा रही है, बजट में रेलवे से बुजुर्गों को भी अपने लिए कुछ उम्मीदें है। मार्च 2020 कोरोना महामारी के बाद से सीनियर सिटीजनों को ट्रेनों में यात्रा टिकट पर मिलने वाली रियायत में सरकार ने ब्रेक लगा दिया था,तब से अब तक यह व्यवस्था ज्यो की त्यों है । कोरोना महामारी के बाद देश की अर्थ व्यवस्था वापस पटरी पर आ गई , सभी व्यवस्थाएं यथावत हो गई, लेकिन बुजुर्गों को मिलने वाली टिकिट में रियायत शुरू नहीं की गई। आखिर केंद्र सरकार बुजुर्गों के साथ अन्याय क्यों कर रही है ? कोरोना महामारी के दौरान सुरक्षा के नाम पर रोकी गई यह व्यवस्था अब तक चालू क्यों नहीं की गई। अब आगामी बजट को देखते हुए केंद्र सरकार से बुजुर्गों को दी जाने वाली रियायत की बहाली की मांग उठने लगी है। क्या बजट में सरकार वरिष्ठ नागरिकों का ध्यान रखेगी ?

रेलवे की योजना सीनियर सिटीजन सब्सिडी की यात्रा टिकट पर छूट को लेकर हर जगह चर्चा का माहौल गर्म है, हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में भी यही मुद्दा सीनियर सिटीजनों के लिए प्रमुख रहा था,जिसका नतीजा डेमोक्रेसी के सामने है।

सीनियर सिटीजनों को भारतीय ट्रेनों में यात्रा करने पर मार्च 2020 के पूर्व महिला वरिष्ठ नागरिक को 50त्न छूट जिनकी उम्र 58 वर्ष होती थी एवं पुरुष और ट्रांसजेंडर वरिष्ठ नागरिक को 40त्न छूट मिलती थी । 60 वर्ष या उससे अधिक उम्र के पुरुष और ट्रांसजेंडर तथा 58 वर्ष से अधिक महिला को वरिष्ठ नागरिक की? रेलवे बुजुर्ग की श्रेणी में मानता था ,इन्हें भारत की बड़ी से बड़ी ट्रेनों में भी रियायत दी जाती थी।

ज्ञात हो कि मार्च 2020 कोरोना महामारी के चलते जहां देशभर में लॉकडाउन लग चुका था तब कुछ महीनो के लिए ट्रेन का परिचालन भी बंद हुआ था,पुनः सुचारू हुई ट्रेनों के बाद कोरोना की महामारी में छुआछूत के चलते रेल प्रशासन ने कई सुविधाओं को बंद कर दिया था। परंतु आज कोरोना काल की महामारी को बीते 3 -4 वर्ष हो चुके हैं पर केंद्र सरकार ने कोरोना की आड़ में बंद की बुजुर्गों की सुविधा को आज दिनांक तक बहाल नहीं किया है। सरकार के सामने जब-जब रेलवे की योजना सीनियर सिटीजन को लेकर बात सामने आई तब तब सरकार ने यात्रा में सब्सिडी पर कोई पक्ष नहीं किया, वहीं इस संबंध में केंद्र सरकार का कहना है कि पहले से ही यात्रियों को किराए में छूट दी जा रही है।वरिष्ठ नागरिकों और महिलाओं को अतिरिक्त छूट देने से रेलवे पर वित्तीय बोझ ओर बढ़ जाएगा। रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव ने पिछले वर्ष दिसंबर में यह जानकारी दी थी कि रेलवे ने 2019-20 में यात्री टिकटों पर 59. 837 करोड़ रुपए की सब्सिडी दी है जो की सभी यात्रियों के लिए औसतमान 53त्न छूट के इक्वल है ।

मॉर्निंग वॉक में मिले सीनियर सिटीजनों से जब हमने चर्चा की तो उन्होंने सांसदों और विधायकों को ट्रेन में छूट न मिलने पर सवाल उठाए हैं।

### अधिमान्य पत्रकारों के साथ भी सरकार का अन्याय

इसी प्रकार अधिमान्य पत्रकारों को भी पुर्व में रेलवे टिकट पर जो रियायत दी जाती थी, वह भी बंद कर दी गई है, आखिर यह भेदभाव क्यों ? इस संबंध में पत्रकार कल्याण महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव भारद्वाज का कहना है कि अधिमान्य पत्रकारों को केंद्र सरकार की ओर से केवल रेल टिकट में ही रियायत का लाभ मिलता था, वह भी बंद कर दिया गया है, जो पत्रकारों के साथ अन्याय है, इसे पुनः शुरू करना चाहिए ।उन्होंने देशभर के पत्रकारों की ओर से प्रधानमंत्री और रेल मंत्री से पत्रकारों को टिकट में दी जाने वाली रियायत पुनः शुरू करने की मांग की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार विगत 5 वर्ष में सांसद और पूर्व सांसदों पर सरकार ने रेल यात्रा पर 62 करोड़ रुपए खर्च किए हैं।

आंकड़ा देखें तो जूलाई 2017-18 से 1921-22 तक मौजूदा सांसदों की रेल यात्रा पर करीब 62 करोड रुपए रेलवे को सब्सिडी के नाम पर दिए गए हैं।

## जेल में बन्दियों को उनके अपील के अधिकारों से कराया रूबरू

दमोह प्रधान जिला न्यायाधीश आनंद तिवारी एवम विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव व न्यायाधीश धर्मेश भट्ट के निर्देशन में जिले में संचालित लीगल एड डिफेंस सिस्टम के सलाहकारों ने जेल विजिट कर बन्दियों को उनके अपील के अधिकारों से अवगत करवाया दरसल सुप्रीम कोर्ट के संज्ञान के बाद हाईकोर्ट एव राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जेल में निरुद्ध ऐसे बन्दियों को चिन्हित करने का काम कर रही है जिन्हें 07 वर्ष या उससे अधिक की सजा हुई है इसी तारतम्य में जिले में संचालित लीगल एड डिफेंस कॉउंसिल की टीम ने जेल विजिट कर बन्दियों से मुलाकात के उन्हें उनके अपील किये जाने के अधिकारों की जानकारी दी चीफ लीगल डिफेंस कॉउन्सिल मनीष नगाइच ने बताया के प्रत्येक सजायाफ्ता बन्दी को उसको हुई सजा के खिलाफ अपील का अधिकार होता है और ऐसे बन्दी जो अपील करने में आर्थिक तौर पर या किसी अन्य कारण से सक्षम नहीं है उन्हें निःशुल्क अपील करवाने की व्यवस्था विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा की गई है। जेल अधीक्षक सी एल प्रजापति एवं डिप्टी चीफ मदन जैन एवं प्रेक्षा पाठक के साथ विधिक सेवा प्राधिकरण के लीगल कॉउन्सिल शिवानी पराशर,तुहिना मजूमदार एवम ऋचा त्रिपाठी ने प्रत्येक बन्दीयो की जेल टिकिट का अवलोकन कर हर एक बन्दी का डाटा तैयार किया व उन्हें उनको हुई सजा के विरुद्ध अपील के अधिकारों से जागरूक किया।

## सही साफ सफाई और व्यवस्था न होने के अस्पताल प्रबंधन पर भर्ती मरीजो ने लगाए गंभीर आरोप*

दमोह - जिला चिकित्सालय दमोह लगातार सुर्खियों में रहता है कभी मरीजों के साथ अभद्रता, कभी डॉक्टर का शराब पीकर चिकित्सालय में हुड़दंग मचाने, कभी सफाई व्यवस्था ना होना।

कुछ दिन पूर्व जिला चिकित्सालय के शौचालय मूत्रालय में सफाई नहीं होने की खबर प्रकाशित हुई थी जिस पर सिविल सर्जन डा राजेश नामदेव ने कहा कि मैं दिखवाता हूं नियमित सफाई व्यवस्था करवाता हूं परंतु शनिवार को जब जिला चिकित्सालय के पुरूष वार्ड में जाकर देखा गया तो वहां का शौचालय अपनी दुर्दशा स्वयं बयां कर रहा था टॉयलेट सीट गंदगी से भरी पड़ी हुई कि जिनका कोई भी मरीज उपयोग नहीं कर पाता। जिला चिकित्सालय में भर्ती मरीज मर्दन ने बताया कि वह जिला चिकित्सालय में बने सुलभ शौचालय में जाता है क्योंकि पुरुष वार्ड में बना शौचालय उपयोग करने लायक नहीं है, मैं तो शौचालय का दरवाजा तक नहीं खोलता क्योंकि उसमें से बहुत अधिक बदबू आती है। हम यहां अपनी बीमारी ठीक करवाने आते हैं लेकिन ऐसी गंदगी और बदबू के बीच हम और बीमार होने का डर बना रहता है।

एक और मरीज ने भी शौचालय में गंदगी को लेकर नाराजगी जताई। जिला मुख्यालय के मुख्य चिकत्सालय में सफाई व्यवस्था को लेकर बुरा हाल है जिला प्रशासन के कर्ताधर्ताओं का ध्यान इस ओर क्यों नहीं जाता यह भी समझ के परे है।

## चौकी हिरदेनगर पुलिस ने बिजली विभाग का फर्जी लाईनमेन को किया गिरफ्तार

### बिजली विभाग का फर्जी लाइनमेन बनकर कर रहा था अवैध वसूली

मण्डला--जिले के महाराजपुर थाना अंतर्गत हिरदेनगर चौंकी का घटना सामने आया है जहां घटना का विवरण इस प्रकार है कि दिनांक 20/07/2024 को चौकी हिरदेनगर में संजय भांवरे पिता विशराम भांवरे उम्र 26 वर्ष निवासी नकावल ने एक लिखित आवेदन पत्र पेश कर बताया कि आज शाम एक व्यक्ति आकर मेरे घर पर लगे बिजली के मीटर को चेक करने लगा तो मैंने उस व्यक्ति को टोकते हुये पूछा कि आप कौन हो तो उसने अपना नाम राकेश सिरसाम बताया एवं अपने आपको बिजली विभाग का लाईनमेंन होना बताया एवं मेरे घर के बिजली कनेक्शन के मीटर को चेक करते हुये बोला कि तुम्हारा मीटर खराब है तुम लोग चोरी से लाईट जला रहे हो एवं मोटर पंप चला रहे हो तुम्हे दो हजार रूपये लगेगे नहीं तो मैं तुम्हारी लाईन काट दूंगा एवं बिजली विभाग में चोरी का केश बना दूंगा।मैंने अपने गांव के लोगो एवं बिजली विभाग के कर्मचारी जगदीश जवारिया को बुलवाया तो जगदीश जवारिया द्वारा बताया गया कि यह व्यक्ति राकेश सिरसाम हमारे बिजली विभाग का कर्मचारी नही है।उक्त रिपोर्ट पर से प्रथम दृष्टया आरोपी राकेश उर्फ चिंकू सिरसाम पिता रामस्वरूप सिरसाम निवासी गुडा अंजनिया पुलिस चौकी हिरदेनगर

थाना महाराजपुर जिला मण्डला का कृत्य धारा 319(2),308 (2) बीएनएस के तहत दण्डनीय होने से आरोपी के विरूध्द अपराध पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया,मामले में पुलिस चौकी हिरदेनगर थाना महाराजपुर द्वारा आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया।आरोपी आपराधिक प्रवृत्ति का है।आरोपी का पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड है,जिसमें नकबजनी का एक एवं आर्म्स एक्ट के तहत दो अपराध हैं।

कार्यवाही में उप निरीक्षक सुरजीत सिंह परमार चौकी प्रभारी हिरदेनागर एएसआई रामकृष्ण बघेल,शिव शंकर राजपूत प्रधान आरक्षक केहर सिंह,देवी सिंह, महेश यादव आरक्षक देवेंद्र रैदास, देवेंद्र कटरे एवं दया टंडिया शामिल रहें।

## गुरू पूर्णिमा पर हुआ क्रिश्चियन स्कूल में आयोजन

छतरपुर। शहर के स्थापित क्रिश्चियन इंग्लिश कालेज में गुरू पूर्णिमा के अवसर पर विशेष आयोजन हुए जहां पर गुरूओं के योगदान पर प्रकाश डाला गया और बच्चों द्वारा मनमोहक प्रस्तुतियां दी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ माता सरस्वती के पूजन से हुआ जहां अर्पना मेसी एवं प्राचार्य मीनाक्षी लाल द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं आर एस पाठक और सुनील खरे ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया तत्पश्चात छात्र-छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना की गई। विद्यालय की छात्रा पदमश्री पंकज उदास जूनियर से सम्मानित आशिंका राजौथिया ने मधुर सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। वहीं तानसेन आवार्ड से सम्मानित गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड में नाम दर्ज कराने वाले विद्यालय के छात्र यर्थाथ गुप्ता ने तबदला बादन कर मनमोहक प्रस्तुति दी 7 विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक आरएस पाठक ने बच्चों को गुरू पूर्णिमा पर्व की विशेषता बताई और गुरूओं के बारे में भारत वर्ष के इतिहास का परिचय दिया। वहीं बोर्ड एग्जाम प्रभारी महनाज खान ने अपने उद्बोधन में भारत की मैथोलॉजी, गुरूकुल शिक्षा और महान शिक्षकों के बारे में बताया। कार्यक्रम में निरूपमा जय, कामनी खरे, तरन्नुम सिद्दीकी, अनन्या सतपति, जेनुल कुरैशी, एसके त्रिवेदी, देवेन्द्र सक्सेना, प्रिंस के साथ अन्य शिक्षक समारोह में शामिल रहे। कार्यक्रम का संचालन सोहनी रानी सिंह और सुनील खरे ने किया

## बैंक ऑफ बड़ौदा का स्थापना मनाया गया

रतलाम 7 बैंक ऑफ बड़ौदा के क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा बैंक का 117 वां स्थापना दिवस 20 जुलाई शनिवार को धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख सुरेश कुमार तलरेजा ने सभी को स्थापना दिवस की बधाई दी एवं सभी स्टाफ को ग्राहक सेवा को उच्चतम स्तर तक प्रदान करने की अपील की। बैंक द्वारा महिलाओ एवं बच्चों के लिए पेंटिंग एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हरित पर्यावरण के संदेश के साथ बाइक रैली निकाली गई जो अलकापुरी से शुरू होकर,दो बत्ती चौराहा होते हुए आईटीआई पहुंची। इसके बाद बॉब अर्थ प्रोजेक्ट के तहत आईटीआई में बैंक स्टाफ द्वारा वृक्षारोपण किया गया।इस अवसर पर बैंक स्टाफ एवं उनके परिजन हेतु सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया,जिसमे विभिन्न नृत्य एवं गायन की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में क्षेत्रीय प्रमुख सुरेश कुमार तलरेजा एवं उपक्षेत्रीय प्रमुख आशुतोष कुमार आदि उपस्थित थे।

## जेएसडब्ल्यू इन्फ्रास्ट्रक्चर ने विकास को बढ़ावा देने के लिए पोर्ट कनेक्टिविटी परियोजना का अधिग्रहण किया

मुंबई, एजेंसी। जेएसडब्ल्यू इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (कंपनी), जो जेएसडब्ल्यू समूह का हिस्सा है और भारत की दूसरी सबसे बड़ी निजी वाणिज्यिक बंदरगाह ऑपरेटर है, ने आज एक विकासाधीन स्लरी पाइपलाइन परियोजना की खरीद की घोषणा की। कंपनी के बोर्ड ने जेएसडब्ल्यू स्टील की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी जेएसडब्ल्यू उत्कल स्टील लिमिटेड से 30 मिलियन टन प्रति वर्ष की विकासाधीन स्लरी पाइपलाइन परियोजना के अधिग्रहण और लौह अयस्क के परिवहन के लिए पाइपलाइन का उपयोग करने के लिए 20 साल की लंबी अवधि के टेक-ऑर-पे समझौते में प्रवेश करने को मंजूरी दे दी है।

यह परियोजना ओडिशा राज्य के नुआगांव से जगतसिंहपुर तक चलने वाली 302 किलोमीटर लंबी स्लरी पाइपलाइन के लिए है और यह सीधे ओडिशा में बनने वाले जटाधार बंदरगाह से जुड़ेगी। परियोजना के 122 किलोमीटर हिस्से पर काम पहले ही पूरा हो चुका है। परियोजना 2027 की शुरुआत में पूरी होने वाली है और अप्रैल 2027 में वाणिज्यिक संचालन शुरू होने की उम्मीद है। एक स्वतंत्र मूल्यांकन विशेषज्ञ फर्म ने वर्तमान में विकसित की जा रही स्लरी पाइपलाइन के लिए हस्तांतरण मूल्य निर्धारित किया है। यह लगभग 1,700 करोड़ रुपये है, जिसमें (1) 31 मई 2024 तक किए गए व्यय का उचित मूल्य; और (2) 31 मई 2024 के बाद वास्तविक हस्तांतरण तिथि तक अनुमानित लागतें शामिल हैं। पोर्ट कनेक्टिविटी परियोजना, कंपनी की विकास रणनीति के अनुरूप है, जो मजबूत वार्षिक नकदी प्रवाह और आकर्षक मध्य-किशोर परियोजना आईआरआर (आंतरिक रिटर्न दर) प्रदान करती है। इसके अलावा, यह परियोजना भूमिगत लौह अयस्क के परिवहन के लिए एक स्थायी समाधान प्रदान करती है, जो कार्बन उत्सर्जन को काफी कम करती है और पर्याप्त पर्यावरणीय लाभ प्रदान करती है।

## आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी के वार्षिक दीक्षांत समारोह में 334 स्नातकों ने हासिल की उपाधि

जयपुर , एजेंसी। देश में अग्रणी स्वास्थ्य प्रबंधन अनुसंधान विश्वविद्यालय आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी ने जयपुर, राजस्थान के अपने परिसर में आज वार्षिक दीक्षांत समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर 334 छात्रों को उपाधि प्रदान की गई। दीक्षांत समारोह की मुख्य अतिथि सुश्री स्वाति दलाल, मैनेजिंग डायरेक्टर, एबॉट इंडिया लिमिटेड और विशिष्ट अतिथि डॉ. महनाज़ वाहेदी, साइंटिस्ट, रिसर्च कैपेसिटी स्ट्रेंथनिंग टीडीआर, ट्रॉपिकल रोगों में रिसर्च और ट्रेनिंग के लिए विशेष कार्यक्रम, विश्व स्वास्थ्य संगठन, जिनेवा, स्विट्जरलैंड ने विद्यार्थियों को उनकी डिग्री प्रदान की। इस गरिमापूर्ण दीक्षांत समारोह में आईआईएचएमआर विश्वविद्यालय के चेयरपर्सन श्री सुदर्शन जैन और आईआईएचएमआर विश्वविद्यालय के प्रेसिडेंट डॉ. पी आर सोडानी भी शामिल हुए। इस ऐतिहासिक समारोह में हॉस्पिटल और हेल्थ मैनेजमेंट, फार्मास्युटिकल मैनेजमेंट, और डेवलपमेंट मैनेजमेंट में पीएच डी और एमबीए कार्यक्रमों के स्नातक समूहों को डिग्री प्रदान की गई। कुल 8 छात्रों को पीएच डी की उपाधि, 208 छात्रों को एमबीए (हॉस्पिटल और हेल्थ मैनेजमेंट), 105 छात्रों को एमबीए (फार्मास्युटिकल मैनेजमेंट) और 13 छात्रों को एमबीए (डेवलपमेंट मैनेजमेंट) की डिग्री प्रदान की गई।

# रक्षा उत्पाद संबंधी उद्योग छिंदवाड़ा में खुले इसके लिए केन्द्र से चर्चा करेंगेः सांसद विवेक साहू

## जिले में जमीन की कमी नहीं: कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह

**छिंदवाड़ा।** रक्षा उत्पाद संबंधी उद्योग केन्द्र सरकार म.प्र. में खोलना चाहती है, स्थानीय सांसद विवेक बन्टी साहू ने कहा कि ये उद्योग छिंदवाड़ा में खुले इस संबंध में वे गृहमंत्री अमित शाह एवं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से चर्चा करेंगे, कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह ने कहा कि उद्योगों के लिए जमीन की कोई कमी नहीं है। भाजपा के नव निर्वाचित सांसद विवेक बंटी साहू ने जिले में उद्योग की संभावनाओं को लेकर पत्रकारों से चर्चा की। पत्रकार वार्ता में जिला पंचायत के सी.ई.ओ पार्थ जायसवाल एवं ए.डी.एम के.सी.बोपचे उपस्थित थे।

### रेल एवं सड़क की कनेक्टीविटी हो

पत्रकारों ने कहा कि जिले उद्योग एवं पर्यटन की बहुत संभावनाये है। आवश्यकता है उन्हें सुविधाये प्रदान की जावे इसके लिए सबसे महत्वपूर्ण है, रेल एवं सड़कों की कनेक्टीविटी रेल के लिए जिले में सिंगल लाईन है इसे डबल करना जरूरी है सांसद इस मुद्दे को बजट में लेकर आये। ट्रेनों की कनेक्टीविटी बहुत कम है ज्यादा से ज्यादा ट्रेने यहां से प्रारम्भ की जावे

### पर्यटन- नदियों के उद्गम स्थल विकसित करें

पर्यटन को लेकर कहा गया कि जिले में सबसे ज्यादा नदियों के उद्गम स्थल है उन्हें चिन्हित कर उसके उदगम स्थल को विकसित किया जावे।

### पातालकोट में रोप बने

पातालकोट क्षेत्र में रोप वे बनाई जावे एवं तामिया क्षेत्र में सस्ते रूकने के साधन उपलब्ध कराये जावे जिससे ज्यादा से ज्यादा पर्यटन आ सके। यहां पर एडवेन्चर स्पोर्टस को भी बढावा दिया जावे।

### औद्योगिक क्षेत्र में सुविधायें बढाई जावे

ओद्योगिक क्षेत्र ईमली खेड़ा, लहगडुआ, बोरगांव में सुविधायें बढाई जावे जिससे उद्योगों की स्थापना हो सके।

### ईथेनाल फैक्टरी की स्थापना हो

जिले में मक्का एवं गन्ना बहुत होता है, इसीलिए ईथेनाल की फैक्टरी खोली जावे, सौंसर, पांढुर्ना क्षेत्र में जीनिंग फैक्टरी बन्द हो रही है, उनका टेक्स कम किया जावे।

### पेंच के चौरई एवं बिछुआ में सुविधायें हो

पेंच क्षेत्र में पर्यटन का फायदा सिवनी जिले को मिल रहा है, चौरई एवं बिछुआ क्षेत्र में सुविधायें बढाई जावे वहां रूकने के लिए रेस्ट हाऊस एवं स्टे होम उपलब्ध हो। सांसद विवेक बंटी साहू ने कहा कि वे जिले के लिए समय पर सुझाव देते रहे जिससे विकास में तेजी जाये। विकास योजनाओं को लेकर वे केन्द्र एवं राज्य से चर्चा करेंगे।

### सिवनी सड़क खराब

छिंदवाड़ा-सिवनी सड़क के हालात बहुत खस्ता है जगह-जगह गड्डे है, इसे शीघ्र सुधारा जाना चाहिये, नेशनल हाईवे इसे जल्द ही ठीक कराये।

### माचागोरा डेम वाटर स्पोर्टस हो

माचागोरा डेम में पर्यटन की संभावनायें बहुत है, वहां की सड़क ठीक हो वहां पर रूकने से रेस्ट हाऊस एवं रेस्टारेन्ट हो, उसमें वाटर स्पोर्टस भी प्रारम्भ किये जावे।

### सौंसर से पांढुर्ना एवं दमुआ से सारणी नई रेल लाईन बने

विकास के लिए रेल कनेक्टीविटी बहुत जरूरी है, नैनपुर-छिंदवाड़ा-नागपुर, जबलपुर-गोंदिया एवं छिंदवाड़ा आमला रेल लाईन को डबल करने की जरूरत है। इसके अलावा सौंसर से पांढुर्ना रेल लाईन बन जाती है तो चहां से मुम्बई का रास्ता कम दूरी का होगा।

जुन्नारदेव से दमुआ बड़ी रेल लाईन है, दमुआ से सारणी तक जोड़ दिया जावे तो इससे दूरी कम होगी एवं अतिरिक्त रेल लाईन बन जावेगी।

### पातालकोट हरिद्वार-देहरादून तक चले

प्राकृतिक एवं धार्मिक पर्यटन को बढावा देना है तो पातालकोट को फिरोजपुर के स्थान पर इसे हरिद्वार देहरादून तक पातालकोट को हरिद्वार तक चलाया जावे, इसके लिए सांसद को प्रयास करना चाहिये, पहली बार छिंदवाड़ा जन्मे व्यक्ति सांसद बना है इसीलिए केन्द्र सरकार को चाहिये कि वह जिले के विकास में विशेष ध्यान देवे।

7-8 साल से थे पेरशान...

## 22 लोगों को अनुकम्पा नियुक्ति, प्रमाण पत्र सांसद के हस्ते दिये गये

**छिंदवाड़ा।** सांसद विवेक साहू ने 22 लोगों को आज अनुकम्पा नियुक्ति दी, ये लोग 7-8 साल से नियुक्ति हेतु प्रशासन एवं नेताओं के चक्कर लगा रहे थे। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह ने बताया कि जिले में 61 लोगों को अनुकम्पा नियुक्ति देना है, जिसमें 22 लोगों को नियुक्ति दी गई, इसके प्रामण पत्र सांसद विवेक साहू, कलेक्टर एवं पत्रकारों ने दिये। 7-8 साल से परेशान अनुकम्पा के लिए परेशान थे, आज 22 लोगों को सांसद के हाथों नियुक्ति पत्र दिये जाने पर उनकी खुशियां का ठिकाना नहीं थो।

## जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक

**छिन्दवाड़ा।** जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक आज कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह की अध्यक्षता और छिंदवाड़ा सांसद विवेक बंटी साहू, विधायक परासिया सोहनलाल वाल्मीकि, विधायक चौरई सुजीत सिंह चौधरी, विधायक जुन्नारदेव सुनील उईके, विधायक सौंसर विजय चौरे एवं जिला पंचायत अध्यक्ष संजय पुन्हार तथा समिति के अन्य सदस्य व अधिकारीगण की उपस्थिति में संपन्न हुई। बैठक में जल जीवन मिशन के अंतर्गत चल रहे कार्यों की प्रगति एवं आने वाली कठिनाइयों के संबंध में चर्चा की गई। साथ ही ग्रामों में समय सीमा में किए जाने वाले कार्यों के सुझाव एवं मार्गदर्शन एवं निर्देश दिए गए । इसके साथ ही विभाग में चल रहे कार्यों में 200 ग्रामों की पुनरीक्षित एवं 17 ग्रामों की नवीन योजनाओं के प्रस्तावों का अनुमोदन किया गया है।

## कारगिल विजय की 25वी वर्षगाँठ पर युवामोर्चा करेगा विभिन्न आयोजन

**छिंदवाड़ा।** भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष योगेंद्र प्रताप राणा ने बताया कि कारगिल विजय की 25वीं वर्षगांठ पर युवा मोर्चा द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना प्रदेश के निर्देशानुसार हुआ है जिसमें युवामोर्चा स्कूल, कलेजों, कोचिंग संस्थानों व अन्य स्थानों में संपर्क कर युवाओं को आयोजित होने जा रहे आयोजन में शामिल होने का आमंत्रण देगा। युवा मोर्चा अपने छिंदवाड़ा व पांढुर्णा दोनों जिलों में 33 मंडलों में 25 जुलाई के दिन शाम को 5 बजे मशाल जुलूस निकालकर शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित करेगा वह साथ ही शहीद स्मारक पर एक दीप प्रज्वलित कर उसे अगले दिन 24 घंटे के लिए अखंड रूप से जलायेगा अगले दिन 26 जुलाई को युवा मोर्चा के द्वारा सैनिक सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा जिसमें भूतपूर्व सैनिकों को आमंत्रित कर शाल श्रीफल से उनका सम्मान किया जाएगा 25 व 26 जुलाई को युवा मोर्चा द्वारा किए जाने वाले आयोजनों में विभिन्न क्षेत्रों की युवाओं को आमंत्रित करने के साथ उन्हें अपने विचार रखने का भी अवसर युवा मोर्चा मंच के माध्यम से देगा उक्त आयोजनों में जनप्रतिनिधि युवा सामाजिक क्षेत्र से जुड़े हुए लोग, भूतपूर्व सैनिक और उनके परिवार जनों को आमंत्रित किया जाएगा।

## राजपूत भवन में शिव पुराण महाकथा आयोजन

छिंदवाड़ा। मध्य प्रदेश संत पुजारी संघ के द्वारा द्वितीय वर्ष शिव पुराण महा कथा का आयोजन राजपूत भवन पूजा लॉज के पास आयोजित किया गया आज प्रथम दिन कलश यात्रा शिव पुराण पूजन कथा प्रारंभ कथा का विषय चंचल का मोक्ष का वर्णन सुनाया गया जिला अध्यक्ष पंडित सुनील तिवारी संगठन मंत्री राम शंकर बाजपेई सुरेंद्र दुबे सुरेंद्र शर्मा बंटी तिवारी शिवनंदन महाराज एवं मोहल्ले वासी भागवत आचार्य कृष्णा श्री शास्त्री के द्वारा सात दिवसीय कथा का श्रवण पान किया जा रहा है 20 7 20 24 से 26 7 2024 तक कथा का समय दोपहर 2-00 बजे से 5-00 बजे तक।

## आज निकलेगी मंगल कलश शोभायात्रा, होगा जिनवाणी जी का अस्थाप

अमरवाड़ा के जैन मंदिर में ब्र. श्री दिव्यानंद जी महाराज का धर्म नगरी अमरवाड़ा वर्षावास होने जा रहा है सोमवार शुभ तिथि श्रावण कृष्ण एकम को श्री ज्ञान समुच्चय सार जी ग्रंथाधिराज अस्थाप महोत्सव आयोजित होगा जिसमें प्रातः 08-00 बजे से 09-00 बजे तक - श्री तारण तरण अध्यात्म वाणी जी चौदह ग्रंथाधिराज शोभा यात्रा - सरल मार्ग से निकल जाएगी वही प्रातः 09-00 बजे से 10-30 बजे तक झंडा वंदन, मंगल कलश स्थापना, मंदिर विधि, श्री ज्ञान समुच्चय सार जी ग्रंथाधिराज अस्थाप महोत्सव, प्रवचन, आरती, चंदन, प्रसाद संपन्न होगा।

## एक पेड़ मां के नाम...

# प्रकृति का बहुत शोषण हुआ अब हमें प्रकृति को देने की आवश्यकता: साहू

## अजनिया टेकड़ी में लगाए गए 11हजार पौधे, जिले में 65 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य भी पूरा करें

छिंदवाड़ा। एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत जिला प्रशासन छिंदवाड़ा एवं नगर निगम के द्वारा शहर के अजनिया टेकडी पर बृहद 11 हजार पौधो का रोपण महाअभियान में रविवार को सांसद बंटी विवेक साहू ने पौध रोपण किया इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आह्वान किया है कि सभी नागरिक अपनी मां के नाम पर एक पौधा जरूर लगाएं आज बृहद स्तर पर पौधारोपण किया जा रहा है, गुरु पूर्णिमा का भी दिन है और हम सब ने मिलकर तय किया है कि सभी दो पौधे लगाएंगे एक अपनी मां के नाम पर और एक अपने गुरुवर के नाम पर। सांसद बंटी विवेक साहू ने कहा कि कोरोना काल में हम एक-एक सांस के लिए संघर्ष कर रहे थे अभी तक प्रकृति का बहुत शोषण हुआ है अब हमें प्रकृति को देने की आवश्यकता है छिंदवाड़ा में इतिहास रचने का समय है आज सभी लोग मिलकर 11 हजार पौधे लगा रहे हैं। जिले के कलेक्टर ने संकल्प लिया और लक्ष्य दिया है कि जिले में 65 लाख पौधों का रोपण सभी के सहयोग से किया जाएगा। सभी पोधरोपण के इस अभियान को सफल बनाएं। सांसद ने क्लीन छिंदवाड़ा और ग्रीन छिंदवाड़ा पर जोर देते हुए कहा कि छिंदवाड़ा को स्वच्छता में नंबर वन बनाने के लिए सभी प्रयास करें। कार्यक्रम में सांसद ने गुरुपूर्णिमा के अवसर पर गुरुओं का शाल श्रीफल से सम्मान किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी जी.एस.बघेल, जिला भाजपा अध्यक्ष शेषराव यादव, नगर निगम महापौर विक्रम अहके, वरिष्ठ भाजपा नेता विजय पांडे, विजय झांझरी, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष संजय पटेल, पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिलाध्यक्ष जगेन्द्र अल्डक, नगर मंडल अध्यक्ष एक रोहित पोफली, नगर मंडल अध्यक्ष दो अंकुर शुक्ला एवं विभिन्न सामाजिक संगठन के पदाधिकारी और स्कूल के विद्यार्थी उपस्थित थे।

## लायंस क्लब ने किया पौधारोपण

**सांध्य प्रकाश, विदिशा।** लायंस क्लब के सदस्य सामाजिक कार्यों में हमेशा संलग्न रहे हैं। देश भर में चलाए जा रहे एक पेड़ मां के नाम अभियान के साथ-साथ हरी-भरी वसुंधरा अभियान के तहत भी वृक्षारोपण लायंस क्लब द्वारा किया जा रहा है। उसी के तहत रविवार को कलेक्टोरेट में क्लब के सदस्य एवं पदाधिकारियों ने वृक्ष रौपे। सदस्यों ने बताया कि पूरे सालभर में 5000 पौधे शहर में लगाए जाने का लक्ष्य क्लब के सदस्यों ने लिया है। इसके लिए लगातार प्रयास किया जा रहे हैं। गुरु पूर्णिमा के मौके पर कलेक्टोरेट में वृक्षारोपण कर अन्य सभी लोगों को भी वृक्षारोपण के लिए प्रेरित किया गया।

## श्रीकृष्ण जन्माष्टमी चल समारोह समिति की बैठक आयोजित, विपिन बने अध्यक्ष

**सांध्य प्रकाश, विदिशा।** श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को लेकर श्रीकृष्ण जन्माष्टमी चल समारोह समिति की बैठक रविवार को रामलीला चौराहा स्थित राधाकृष्ण मंदिर में हुई। जिसमें आगामी 26 अगस्त को यादव समाज द्वारा जन्माष्टमी चल समारोह भव्य तरह से निकालने पर चर्चा की गई। साथ ही समिति की कार्यकारणी का गठन किया गया। साथ ही श्री कृष्ण जन्माष्टमी चल समारोह के लिये निर्विरोध रूप से सभी की सहमति से विपिन यादव को अध्यक्ष पद का पदभार सौंपा गया। अध्यक्ष विपिन यादव ने कहा कि आयोजन को सफल बनाने में सभी समाज बंधुओं का सुझाव लिया जाएगा। बैठक के दौरान समाजबंधू मौजदू थे।

## श्रावण आज से, 72 साल बाद बन रहा दुर्लभ संयोग

**सांध्य प्रकाश, विदिशा।** इस वर्ष सावन की शुरुआत सोमवार से हो रही है। सावन शुक्ल पक्ष पूर्णिमा भी सोमवार को होने के कारण सावन में इस बार पांच सोमवार को योग घटित होने जा रहा है। पं. विनोद शास्त्री ने बताया कि इस बार खास बात यह है कि सावन के पहले सोमवार और अंतिम सोमवार के दिन सर्वार्थ सिद्धि योग की भी निष्पत्ति हो रही है। इस कारण सावन के साथ-सोमवार का महत्व और अधिक बढ़ गया है। इस साल श्रावण सोमवार के साथ आरंभ हो रहा है और सोमवार के साथ ही समाप्त होगा। यह दुर्लभ संयोग करीब 72 साल बाद बन रहा है

## इंदिरा प्रदर्शनी महाविद्यालय में सीएलसी राउंड काउंसलिंग प्रारंभ

इंदिरा प्रदर्शनी महाविद्यालय में सत्र 2024 25 प्रवेश प्रक्रिया सीएलसी राउंड कॉलेज लेवल काउंसलिंग प्रारंभ हो चुकी है जिसमें बीएससी माइक्रोबायोलॉजी बायोटेक्नोलॉजी बीएससी मैथ की कंप्यूटर बीकॉम बीबीए बीसीए एवं बा की रिक्त सीटों के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ है उल्लेखनीय है कि विगत वर्ष भी यहां से विद्यार्थियों को लगातार रोजगार के अवसर भी प्रदान किए जाते हैं इसके लिए महाविद्यालय द्वारा अनेक प्रयास किए जाते हैं आर्ट्स से 12 वी पास करने बाद विद्यार्थियों के लिए बी ए डेटा अनालेस्टिक या कंप्यूटर में बी सी ए डेटा साइंस करके द्वह्याष्ह्य भी किया जा सकता है, इन सभी विषयों के बेहतर अध्ययन के लिए परासिया रॉड एस ए ऑफ गेट के सामने छिंदवाड़ा में इंदिरा प्रियदर्शिनी महाविद्यालय है। महाविद्यालय दो दशकों से बेहतर शिक्षा के साथ साथ रोजगार के अवसरों में वृद्धि हेतु विद्यार्थियों को विषय अनुसार आवश्यक ट्रेनिंग प्रदान करता है, यक्तित्व विकास हेतु ह्रस्स, नेचर क्लब, रेड रिबन क्लब महाविद्यालय में है इसके अतिरिक्त समय समय पर सेमिनार व व्याख्यान भी कराए जाते है जो विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में सहायक होता है, आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के लिए सभी प्रकार की शासन द्वरा प्रदान की जाने बाली छात्रवृत्ति सुविधा व अध्यन हेतु विशाल लाइब्रेरी भी उपलब्ध है शैक्षणिक भ्रमण के माध्यम से विद्यर्थियों को आधुनिक तकनीको से अवगत कराया जाता है, प्रशिक्षित , योग्य व अनुभवी प्राध्यापकों द्वारा शैक्षणिक कार्य कराया जाता है। वर्तमान में उज्ज्वल भविष्य हेतु आईपीएस कॉलेज का चुनाव बेहतर होगा।

## गुरु पूर्णिमा में विश्व शान्ति के लिये महायज्ञ

**छिंदवाड़ा.** संस्कृत पुस्तकोंन्नति सभा द्वारा संचालित संत आशाराम आश्रम खजरी में प्रतिवर्षानुसार गुरु पूर्णिमा महोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया । सुबह से ही साधक भक्तों का तांता लगा रहा । आश्रम में कई दैवीय कार्य सम्पन्न हुए। जिसमें श्री गुरुचरण पादुका पूजन , श्री गुरुगीता पाठ , विश्व शान्ति के लिए महायज्ञ-- इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष मदनमोहन परसाई ने बताया कि आज का दिन साधकों के लिए विशेष दिन होता है। वर्ष भर गुरु हमें देते ही हैं। आज गुरु को अर्पण करने का दिन होता है। इसे व्यास पूर्णिमा भी कहते हैं। सैकड़ों साधकों ने विश्व की विषम परिस्थितियों को देखते हुए जिसमें रूस-यूक्रेन युद्ध और इजरायल-फिलिस्तीन युद्ध के कारण कई देशों की अर्थव्यवस्था चौपट हो गई है। पूरा विश्व तृतीय विश्व युद्ध की कगार पर है । देश में भी गृह युद्ध की प्रबल सम्भावना है। सन्तों पर अत्याचार चरम पर है। भविष्य में बड़ी संख्या में जनहानि न हो इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए विश्व शान्ति के लिए महायज्ञ किया गया ।

# आदि गुरु महर्षि वेद व्यास के अनुसार गुरु ही शिष्य को ज्ञान हस्तांतरित करता हैः चंद्रहंस पाठक

**सांध्य प्रकाश, विदिशा।** सरस्वती शिशु मंदिर अंदर किला में रविवार गुरुपूर्णिमा के शुभ अवसर पर आचार्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में आमंत्रित अतिथियों का परिचय केशवनगर प्राचार्य मुकेश दांगी द्वारा कराया गया। सम्मान समारोह में नगर के तीनों विद्यालय के दीदी आचार्यो का सम्मान श्रीरामकृष्ण दास शिक्षण समिति की अध्यक्ष डॉ. राजश्री वैध, सचिव गजेंद्र पाल राजपूत, कोषाध्यक्ष संजीव राठोर आदि द्वारा आचार्य गणवेश व श्रीफल भेंट कर किया गया। इस अवसर पर ग्रामीण शिक्षा के प्रांत प्रमुख चंद्रहंस पाठक का गुरु-शिष्य परंपरा पर सारगर्भित उद्बोधन प्राप्त हुआ। जिसमें उन्होंने कहा कि प्राचीन काल से ही गुरु शिष्य परंपरा चली आ रही है ये परंपरा अति प्राचीन है जिसमें सृष्टि के प्रथम गुरु महर्षि वेदव्यास जी ने वेदों के ज्ञान का हस्तांतरण करने के लिए गुरु शिष्य परंपरा का प्रादुर्भाव किया। इसी अनुक्रम में उन्होंने अपने उद्बोधन में विभिन्न प्रकार के प्रसंगों के माध्यम से गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व को समझाया। तत्पश्चात डॉ. वैध ने कहा कि गुरु हमें अज्ञानता के अंधकार से निकालकर ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाता है। अस्तु हमें प्रवीण शिष्य की भांति अपने गुरुओं का ह्रदयतल से सम्मान करना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि उक्त कार्यक्रम में भोपाल विभाग के विभाग समन्वयक दीपक चंदेवा, उपसमिति के सदस्य गोपाल शरण पाठक, मिथलेश दांगी, अभिभावक सदस्य अहिवरन गुर्जर आदि विशेष रूप से उपस्थित थे। ज्ञातव्य हो कि कार्यक्रम का कुशल संचालन तलैया विद्यालय के प्राचार्य रविंद्र खाखरे द्वारा किया गया। उपरोक्त जानकारी शिशु मंदिर की जिला प्रचार-प्रसार प्रमुख चेतना शर्मा द्वारा दी गई है।

### मां अन्नपूणों सेवा समिति द्वारा किया गया पौधारोपण

सांध्य प्रकाश, विदिशा। मां अन्नपूर्णा सेवा समिति द्वारा रविवार को गुरू पूर्णिमा के उपलक्ष्य में लुहांगी पहाड़ी पर माता रानी की आरती कर प्रसादी वितरण किया गया। वहीं इस दौरान वृक्षारोपण भी किया गया। समिति संस्थापक महिपाल सिंह राजपत ने बताया कि मां अन्नपूर्णा धाम पर माता रानी की आरती का आयोजन किया गया। आरती के बाद प्रसादी वितरित की गई। वहीं इस दौरान पौधे लगाए गए। इस दौरान निर्मल कौर, रितु राजपूत, मिथिलेश दांगी, विनीता बैरागी, रुक्मणी दांगी, रितु चौहान, हेमलता धाकड़ सहित अन्य श्रद्धालु मौजूद थे।

# लोहांगी पहाड़ी पर मेले का हुआ आयोजन

## किया गया वायु परीक्षण, कुश्ती दंगल का भी हुआ आयोजन

सांध्य प्रकाश, विदिशा। विदिशा शहर के बीचों-बीच स्थित लुहांगी पहाड़ी जिसे राजेंद्र गिरी का नाम भी दिया गया है, यहां साल में सिर्फ एक बार गुरु पूर्णिमा के मौके पर भव्य मेले का आयोजन किया जाता है। पुरातत्व विभाग के संरक्षण में शामिल लोहांगी पहाड़ी को अनादिकाल से संजोकर रखा गया है। मान्यता यह भी है कि यहां पर पांडवों द्वारा घोड़ों को प्रशिक्षित किया जाता था। यहां एक घोड़ा बावड़ी भी है। साथ ही यहां करीब 400 साल पुराना अन्नपूर्णा मंदिर भी है। मंदिर के ठीक सामने एक दरगाह भी मौजूद है जो हिंदू मुस्लिम एकता का प्रतीक है। यहां आने वाले श्रद्धालुओं ने मंदिर और दरगाह में जाकर कामना की और मत्था टेंका। यहां गुरु पूर्णिमा के मौके पर विभिन्न अखाड़ों के माध्यम से कुश्ती दंगल का आयोजन किया गया। जिसमें एक से एक हैरतअंगेज करतब दिखाए गए। साथ ही वराह मिहिर पद्धति के अनुसार वायु का परीक्षण भी किया गया। इस किए गए वायु परीक्षण की प्रक्रिया में अच्छी बारिश का अनुमान लगाया गया है। मेले के दौरान आए श्रद्धालुओं ने कुश्ती का आनंद लिया। वहीं मेले में विभिन्न प्रकार की खरीदारी की।

## रामनिवास रावत बने वन मंत्री

**भोपाल।** मध्यप्रदेश की राजनीति से जुडी एक बड़ी खबर सामने आ रही है। दरअसल, हाल ही में मोहन सरकार में कैबिनेट मंत्री बने कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल होने वाले रामनिवास रावत को विभाग बांट दिया गया है।

बता दें कि, उन्हें मध्य प्रदेश का वन मंत्री बनाया गया है। उनसे पहले नागर सिंह चौहान के पास यह प्रभार था। नागर सिंह चौहान अब आदिवासी कल्याण विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। गौरतलब है कि, 13 जुलाई को मध्य प्रदेश में दूसरी बार मोहन कैबिनेट का विस्तार हुआ था। रामनिवास रावत ने मंत्री पद की शपथ ली थी।

## कर्मचारियों का 4 प्रतिशत महंगाई भत्ता बढ़ा

**भोपाल।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक हुई। बैठक में सरकार ने सरकार ने शासकीय सेवकों और पेंशनरों को सातवें वेतनमान में देय मंहगाई भत्ता दर में एक जुलाई 2024 से चार प्रतिशत की बढ़ोतरी करने का निर्णय लिया है। इससे महंगाई भत्ता 46 प्रतिशत हो जाएगा। सरकार ने शासकीय सेवकों और पेंशनरों को सातवें वेतनमान में देय मंहगाई भत्ता दर में एक जुलाई 2024 से चार प्रतिशत की बढ़ोतरी करने का निर्णय लिया है। इससे महंगाई भत्ता 46 प्रतिशत हो जाएगा। राज्य शासन के छठवें वेतनमान में कार्यरत शासकीय सेवकों, शासन के उपक्रमों, निगमों, मंडलों और अनुदान प्राप्त संस्थाओं के राज्य शासन में प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत चौथे व पांचवें वेतनमान में अनुपातिक आधार पर मंहगाई भत्ते में इजाफा करने को स्वीकति दी है।

### किसानों को मिलेगा ये फायदा

राज्य सहकारी साख संस्थाओं से किसानों को एक साल के लिए जीरो प्रतिशत पर लोन दिया जाता है। इसके ओवर ड्यू होने पर किसानों के लोन लेने की दक्षता समाप्त हो जाती थी। इसलिए सरकार ने लोन की राशि भरने में एक महीने का इजाफा किया है। इससे सरकार पर 10 करोड़ का अतिरिक्त भार आएगा।

## 58 साल पुराना फैसला केंद्र सरकार ने बदला

### आरएसएस के कार्यक्रमों में शामिल हो सकेंगे सरकारी कर्मचारी, कांग्रेस ने साधा निशाना

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की गतिविधियों में सरकारी कर्मचारियों के भाग लेने पर लगे 58 साल पुराने ''प्रतिबंध'' को हटा लिया है. अब सरकारी कर्मी ऋस्स की गतिविधियों में शामिल हो सकेंगे.आदेश में कहा गया है, ''उपर्युक्त निर्देशों की समीक्षा की गई है और यह निर्णय लिया गया है कि 30 नवंबर 1966, 25 जुलाई 1970 और 28 अक्टूबर 1980 के संबंधित कार्यालय ज्ञापनों से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का उल्लेख हटा दिया जाए.''

उधर, केंद्र सरकार के इस फैसले का कांग्रेस ने पुरजोर विरोध किया है. कांग्रेस ने रविवार को केंद्र सरकार की ओर से जारी इस फैसले की तीखी आलोचना की है, जिसमें आरएसएस की गतिविधियों में शामिल होने को लेकर 6 दशक पुरानी पाबंदी को हटा दिया गया है। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि, फरवरी 1948 में गांधीजी की हत्या के बाद सरदार पटेल ने आरएसएस पर प्रतिबंध लगा दिया था. इसके बाद अच्छे आचरण के आश्वासन पर प्रतिबंध को हटाया गया. इसके बाद भी संघ ने नागपुर में कभी तिरंगा नहीं फहराया. 1966 में, संघ की गतिविधियों में भाग लेने वाले सरकारी कर्मचारियों पर प्रतिबंध लगाया गया था - और यह सही निर्णय भी था. यह 1966 में बैन लगाने के लिए जारी किया गया आधिकारिक आदेश है. 4 जून 2024 के बाद, स्वयंभू नॉन-बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री और आरएसएस के बीच संबंधों में कड़वाहट आई है. 9 जुलाई 2024 को, 58 साल का प्रतिबंध हटा दिया गया जो अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्री के कार्यकाल के दौरान भी लागू था. मेरा मानना है कि नौकरशाही अब निक्कर में भी आ सकती है।

## उप मुख्यमंत्री शुक्ल कल प्रलय श्रीवास्तव की पुस्तक अभिव्यक्ति के चार दशक का विमोचन करेंगे



**भोपाल।** उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल मंगलवार 23 जुलाई को 12 बजे वैशाली नगर कोटरा सुल्तानाबाद मार्ग स्थित राज्य पशुपालन प्रशिक्षण संस्थान के सभागार में जनसंपर्क विभाग के संयुक्त संचालक और लेखकप्रलय श्रीवास्तव की नवीन पुस्तक अभिव्यक्ति के चार दशक का विमोचन करेंगे। विमोचन कार्यक्रम में जनजातीय कार्य मंत्री कुंवर विजय शाह ,पशुपालन राज्य मंत्री(स्वतंत्र प्रभार) लखन पटेल, विधायक एवं पूर्व मंत्री श्रीमती अर्चना चिटनिस, विधायक भगवान दास सबनानी, सेवानिवृत आईएएस मनोज श्रीवास्तव और मध्य प्रदेश के वरिष्ठ पत्रकार महेश श्रीवास्तव भी उपस्थित रहेंगे।

## चांदीपुरा वायरस से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग तैयार , मप्र में अभी तक एक भी मामला नहीं: शुक्ल

**भोपाल।** उप-मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा है कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा चांदीपुरा वायरस की स्थिति पर सतत नज़र रखी जा रही है। हम स्थिति की लगातार निगरानी कर रहे हैं। शुक्ल ने कहा कि अभी तक मध्यप्रदेश में चांदीपुरा वायरस का कोई मामला नहीं पाया गया है। हम आईडीएसपी पोर्टल पर सभी विवरण अपडेट कर रहे हैं। हमारे पास वायरस की पहचान के लिए सभी आवश्यक उपकरण और सुविधाएँ उपलब्ध हैं। श्री शुक्ल ने कहा कि चांदीपुरा वायरस एईएस (एक्यूट एन्सेफेलाइटिस सिंड्रोम) के कारणों में से एक है। हम स्थिति के अनुसार केंद्र सरकार के दिशा-निर्देशों का पालन करेंगे ताकि इस पर नियंत्रण रखा जा सके।

## भगवान शिव का षोडशोपचार पूजन एवं अभिषेक

**भोपाल।** श्री रामानन्द आश्रम गुफा मंदिर धाम भोपाल में आज से प्रारम्भ हो रहे श्रावण के प्रथम सोमवार को प्रातः ब्रह्म मुहूर्त में गुफ़ा मंदिर के श्री मंहत रामप्रवेश दास जी महाराज ने पंडित लेखराज शर्मा के आचार्यत्व में वैदिक ब्राह्मणों द्वारा भगवान गुफेश्वर का पंचामृत सहित विविध सामग्री से स्नान कराकर षोडशोपचार पूजन कर अभिषेक किया। महंत जी ने भगवान भोलेनाथ ने जगत कल्याण की कामना की- तन्मे मनः शिवसंकल्पमस्तु।

# अंजना हत्याकांड की सीबीआई जांच की मांग

## दिग्विजय सिंह ने सीएम मोहन यादव को लिखा पत्र





**भोपाल।** मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने हाल ही में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को पत्र लिखा है, जिसमे उन्होंने सागर जिले के खुरई के नितिन-अंजना हत्याकांड की सीबीआई जांच की मांग की है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में लिखा कि मप्र के नागरिक समूह ने एक वास्तविक जांच रिपोर्ट मुझे भेजी है। इस रिपोर्ट के मुताबिक अब तक दलित वर्ग के युवाओं और उनके परिवारों पर हुई घटनाओं की जानकारी दी गई है। दिग्विजय का पत्र मध्यप्रदेश में दलित वर्ग पर लगातार हो रहे हमलों की आये दिन खबरे प्रकाशित हो रही है।

इसमें सबसे ज्यादा प्रताड़ना के मामले मध्यप्रदेश के सागर जिले में सामने आ रहे है। आपकी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं द्वारा दलित समाज पर हमले और प्रताड़ना की कई घटनाएं वर्तमान में सामने आई है। जिन पर प्रशासन और पुलिस द्वारा राजनैतिक दबाववश कोई भी कार्यवाही नही की जा रही है और अपराधी लगातार क्षेत्र में दहशतगर्दी फैला रहे है। दिग्विजय सिंह ने लिखा कि नागरिक समूह द्वारा एक वास्तविक जांच रिपोर्ट मुझे प्रेषित कर सागर जिले में अब तक दलित वर्ग के युवाओं और उनके परिवारों पर हुई घटनाओं की जानकारी दी गई है। सागर जिले में दिनांक 23.08.2023 को सरेआम एक दलित परिवार के बेटे नितिन अहिरवार की दबंगों द्वारा मार-मार कर हत्या कर दी गई थी।

नितिन अहिरवार को न्याय दिलाने के लिये प्रयासरत में परिवार के लोगों की भी दबंगों द्वारा हत्या करने के प्रकरण में पुलिस द्वारा कोई कार्यवाही नही की गई है। पुलिस और स्थानीय भाजपा नेताओं ने उल्टा पीड़ित परिवार को ही अपराधी प्रवृति का बता दिया। मेरा आपसे अनुरोध है कि सागर जिले के दलित परिवार के नितिन अहिरवार उसकी बहन कु. अंजना अहिरवार और राजेन्द्र अहिरवार की हत्या के प्रकरण की नागरिक समूह की मांग के अनुरूप सीबीआई से जांच कराने तथा पीड़ित परिवार को सुरक्षा प्रदान करने हेतु संबंधित को समुचित निर्देश प्रदान करने का कष्ट करें।

## हर्षणी वेलफेयर सोसायटी द्वारा 15 अगस्त को झुग्गी झोपड़ी बस्तियों के मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान किया जायेगा

**भोपाल।** नगर में समाज सेवा और बाल कल्याण के विविध कार्यक्रमों के संचालन में सक्रिय संस्था हर्षणी वेलफेयर सोसायटी द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि शहर के आर्थिक रूप से कमजोर झुग्गी झोपड़ी बस्तियों में रहने वाले बच्चों को जिन्होंने कक्षा 8 बी 10बी 12बी की बोर्ड परीक्षा में 75प्रतिशत या इससे अधिक अंक लाने वाले मेधावी विद्यार्थियों को 15अगस्त (2024) स्वतंत्रता दिवस को अपरान्ह4 बजे आयोजित होने वाले कार्यक्रम में सम्मानित किया जाएगा। ए85राजीव नगर में अयोध्या बाय पास पर प्राइम वे हायर सेकेण्डरी स्कूल के पीछे इस्थित उक्त संस्था गरीब ब आर्थिक रूप से बिपन्न स्लैम एरिया में रहकर भीअपनी प्रतिभा का परिचय देने वाले बालक बालिकाओं का सम्मान कर उन्हे प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से इसे बालक बालिकाओं से उनकी मूल अंक सूची की फोटो कॉपी नाम पता (वाट्सअप) मोबाइल नम्बर आदि सहित विस्तृत जानकारी 31जुलाई 2024तक आमंत्रित करती है। उपरोक्त जानकारी वरिष्ठ समाज सेवक ओम प्रकाश कौशल (7974670607)या समाज सेविका नेहा ममतानी (8839749836) को वाट्सअप पर भेज दे। या संस्था ने जमा करा दे। इसके अलावा मेडिकल, आईआईटी छ्वश्वश्व स्क्क क्क्स्ट ष्ट ह्रष्ठ ष्ट्रष्टस् इत्यादि प्रतियोगी परीक्षाओं में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करने वाले प्रतिभागी भी सप्रमाण अपना विवरण भेज सकते हैं जिन्हे इसी कार्यक्रम में सम्मानित किया जाएगा।

## पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन कल

**भोपाल।** भोपाल प्रेस क्लब के तत्वावधान में कल मंगलवार 23 जुलाई को पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है। एमएलए रेस्ट हाउस स्थित होटल शुभ इन में आयोजित होने वाले इस सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर होंगे। कार्यक्रम दोपहर बारह बजे रखा गया है। इसमें दस पत्रकारों का सम्मान किया जाएगा। प्रेस क्लब की ओर से पत्रकारों, मीडिया के साथियों से कार्यक्रम में उपस्थित होने की अपील की गई है।

## युगपुरुष आश्रम में 6 नहीं 10 बच्चों की हुई थी मौत

### आश्रम वालों ने चुपचाप परिजनों को डेडबॉडी सौंप मामला रफा- दफा किया

**इंदौर।** युगपुरुष धाम आश्रम में 6 नहीं 10 बच्चों की मौत हुई थी। आश्रम के संचालकों ने इन बच्चों की मौत को छिपाया और इन्हें गुपचुप तरीके से परिजनों को सौंप दिया। इन मौतों पर न तो कोई मर्ग कायम हुआ और ना ही पोस्टमार्टम। यह सब हुआ 28 से 30 जून के बीच।

दुख की बात यही है कि आश्रम के जिम्मेदार यदि 27-28 जून को ही प्रशासन को हालत की जानकारी दे देते तो जो काम दो जुलाई को (अस्पताल में बच्चों को शिफ्ट कर उपचार कराने का) किया गया वह 28 जून को ही हो जाता और इन बच्चों की जान बचाई जा सकती थी। सीधे कहें तो यह गैर इरादतन हत्या है।

**रिपोर्ट के बाद सकते में कलेक्टर, कर्मचारियों को हटाने के आदेश-** जांच कमेटी की मिली अंतिम रिपोर्ट के बाद कलेक्टर आशीष सिंह सकते में हैं। उन्होंने अंतिम रिपोर्ट हाथ में आते ही तत्काल विभाग को आदेश देकर आश्रम की संचालिका अनिता शर्मा के साथ ही आश्रम की अध्यक्ष जान्हवी पवन ठाकुर और उनके पिता व संस्था के सचिव तुलसी शादीजा को पद से हटा दिया है।

**28 से 30 जून तक एक- एक कर मरते गए बच्चे, आश्रम छिपाता रहा-** 27 जून को आश्रम में पानी के कारण कॉलरा फैल गया, डॉक्टर ने दो बच्चों की तबीयत खराब होने की जानकारी दे दी। उन्हें उल्टी, दस्त शुरू हो गए थे। इसके बाद भी आश्रम के संचालकों ने इस पर ध्यान नहीं दिया और 28 से 30 जून के बीच वहां कोहराम मच गया। इस दौरान एक- एक कर



मौत होना शुरू हो गई। आश्रम ने 30 जून को केवल एक मौत होने की बात कही। लेकिन जब जांच कमेटी ने जांच की तो अंतरिम रिपोर्ट के दौरान वहां 30 जून को एक और मौत की पुष्टि हुई। बाकी दो- दो मौत एक और दो जुलाई को होना सामने आया था।

इस तरह कुल 6 मौत की बात सामने आई थी। लेकिन जब अपर कलेक्टर आईएएस गौरव बैनल की जांच कमेटी ने रजिस्टर के रिकार्ड से जांच की, सभी से पूछताछ की तो सामने आया कि 28 से 30 जून के बीच चार और बच्चों की मौत हुई थी। जिसे छिपाया गया।

## आज हो सकते हैं कलेक्टरों के तबादले, 2015 बैच के 8 आईएएस को पहली बार मिलेगी कलेक्टरी, कई एसपी भी बदले जाएंगे

**भोपाल।** मध्य प्रदेश में आज बड़ा प्रशासनिक सर्जरी हो सकती है। पूरी संभावना है कि कई जिलों के कलेक्टरों को बदला जा सकता है। सबसे बड़ी चर्चा 2015 बैच के 8 द्बस्को पहली बार मिलेगी कलेक्टरी सौंपने को लेकर हो रही है। इसके साथ ही कई जिलों के एसपी भी बदले जाएंगे।

प्रशासनिक अमलों में चर्चा है कि 2015 के जिन अफसरों को जिलों की जिम्मेदारी मिल सकती है, उनमें अदिति गर्ग, पार्थ जैसवाल, रोशन सिंह, मृणाल मीना, हर्ष सिंह, हर्शल पंचोली, हिमांशु चन्द्र और ऋतुराज के नाम शामिल हैं।

इस बैच की में संस्कृति जैन कलेक्टर बन चुकी हैं। अब बैच के बाकी लोगो का नंबर है, लेकिन फिर भी इस बैच के 4 अधिकारी इस लिस्ट में कलेक्टर नहीं बन पाएंगे। उन्हें कलेक्टर बनने के लिए थोड़ा इंतजार करना पड़ सकता है। इनमें अर्पित वर्मा, बालगुरु के, गूंचा सनोबार और राखी सहाय का नाम शामिल हैं।

**इन कलेक्टर्स के होंगे तबादले-** कटनी कलेक्टर अवि प्रसाद, सतना कलेक्टर अनुराग वर्मा, रीवा कलेक्टर प्रतिभा पाल, मंडला कलेक्टर सलोनी सिडाना, टीकमगढ़ कलेक्टर अवधेश शर्मा, छतरपुर कलेक्टर संदीप जीआर, निवाड़ी कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा, सागर कलेक्टर दीपक आर्य, आगर मालवा कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह, देवास कलेक्टर ऋष्व गुप्ता, अलीराजपुर कलेक्टर अभय बेड़ेकर, खंडवा कलेक्टर अनूप कुमार सिंह, खरगौन कलेक्टर कर्मवीर शर्मा, नर्मदापुरम कलेक्टर सोनिया मीना, राजगढ़ कलेक्टर हर्ष दीक्षित, रायसेन कलेक्टर अरविंद दुबे, विदिशा कलेक्टर बुद्धेश वैद्य, दतिया कलेक्टर संदीप कुमार माकिन, अशोकनगर कलेक्टर सुभाष कुमार द्विवेदी, शिवपुरी कलेक्टर रविन्द्र कुमार चौधरी, भिण्ड कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव और मुरैना कलेक्टर अंकित अस्थाना का तबादला हो सकता है।

**मंत्रालय में भी बदलाव होंगे!-** जिलों के साथ ही मंत्रालय में भी अपर सचिव, प्रमुख सचिव और विभाग अध्यक्ष के पद पर लंबे समय से जमे अफसरों को बदले जाने की चर्चा है। मंत्रालय और विभागाध्यक्ष कार्यालयों में दो और तीन साल से एक ही स्थान पर काबिज कुछ अफसर के विभागों में परिवर्तन किया जाएगा।

बताया जा रहा है कि कुछ मंत्रियों की अपने विभागों के एसीएस, पीएस और सचिवों से पटरी नहीं बैठ रही है। बता दें कि जिलों में अभी तक 2014 बैच तक के आईएएस कलेक्टर बन चुके हैं। हालांकि अभी भी 2011, 2012, 2013 बैच के कुछ आईएएस को कलेक्टर बनाने का मौका नहीं मिला। इसी तरह प्रमोटी अफसर भी कलेक्टर बनने की राह देख रहे हैं।

**2-3 संभागों के कमिश्नर भी बदलेंगे!-** प्रदेश में 2-3 संभागों के कमिश्नर बदले जाने की भी चर्चा है। इसके अलावा डीजीपी को भी बदला जा सकता है। वहीं ईओडब्ल्यू और लोकायुक्त डीजी के साथ इन संस्थानों के एसपी स्तर के अधिकारियों में भी जबरदस्त बदलाव होगा।

**कई एसपी भी बदले जाएंगे-** मध्य प्रदेश में आज कई आईपीएस के तबादले भी होंगे। सीएम मोहन यादव ने दो दिन पहले डीजीपी से बात की है। सीएम यादव के आदेश पर मेरिट लिस्ट तैयार की जा रही है। इस तबादला सूची को लेकर प्रदेश के अधिकारियों में अभी से हलचल मची हुई है।

# कान्हा नेशनल पार्क में जमीन खरीदकर निर्माण शुरू करने से रणदीप हुड्डा मुश्किल में

## हाईकोर्ट ने निरीक्षण रिपोर्ट पेश करने के आदेश दिए



**भोपाल।** कान्हा नेशनल पार्क के निकट प्रतिबंधित जमीन पर अभिनेता रणदीप हुड्डा को निर्माण कराना महंगा पड़ा। इस निर्माण को लेकर एसडीओ बैहर ने उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया था। इसे अभिनेता ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। अब जबलपुर हाई कोर्ट ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। शुक्रवार को जारी आदेश में जस्टिस जीएस अहलूवालिया की एकलपीठ ने बालाघाट जिले की बैहर तहसील के एसडीओ (राजस्व) को निर्देश दिए कि 15 दिन के भीतर जमीन निरीक्षण कर रिपोर्ट सौंपे।

उल्लेखनीय है कि कान्हा नेशनल पार्क के निकट जमीन पर अभिनेता रणदीप हुड्डा द्वारा कराए जा रहे निर्माण कार्य (बताया गया कि वहां होटल बनाई जा रही थी) को लेकर एसडीओ बैहर ने कारण बताओ नोटिस जारी किया था। इसे रणदीप हुड्डा ने हाईकोर्ट में चुनौती दी। अब जबलपुर हाई कोर्ट ने नोटिस की कार्यवाही रोककर पूरे मामले की जांच करने के आदेश दिए। हाईकोर्ट ने कान्हा नेशनल पार्क के निकट अभिनेता की जमीन पर हो रहे निर्माण कार्य को लेकर उठाए गए एसडीओ बैहर को निरीक्षण के लिए आदेश दिए और निरीक्षण की रिपोर्ट आने के 15 दिन के भीतर याचिकाकर्ता को जारी किए गए कारण बताओ नोटिस पर अंतिम निर्णय लेने का निर्देश दिए।

### जारी किया था शो-कॉज नोटिस

18 जून को एसडीओ बैहर ने रणदीप हुड्डा को शो-कॉज नोटिस जारी किया गया था। इसमें आरोप लगाया कि वे बिना शासकीय अनुमति के उक्त जमीन पर निर्माण कर रहे हैं। नोटिस में यह भी कहा गया कि रणदीप तत्काल निर्माण रोक दें। एसडीओ बैहर ने अभिनेता रणदीप हुड्डा के खिलाफ जारी कारण बताओ नोटिस में गत 19 जून को समस्त दस्तावेज लेकर राजस्व अधिकारियों के समन हाजिर होने और ऐसा नहीं करने पर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की चेतावनी दी थी। रणदीप हुड्डा ने एसडीओ के इसी नोटिस को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। लेकिन, वही उनके लिए फांस बन गई।